बर्षः- 06
अंकः- 26
मुरादाबाद
(Sunday)
17 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

# क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## आज का भारत इनोवेशन पॉवर है, नीदरलैंड में प्रवासी भारतीयों से PM मोदी का संवाद

### नीदरलैंड ट्यूलिप तो भारत कमल के लिए जाना जाता है

चार यूरोपीय देशों के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी यात्रा के पहले चरण में देर रात नीदरलैंड पहुंचे। पीएम मोदी यहां के राजा विलियम और रानी मैक्सिमा से मुलाकात करेंगे। नीदरलैंड के एम्सटर्डम में गर्मजोशी से पीएम मोदी का स्वागत किया गया। उन्होंने भारतीय प्रवासियों से भी संक्षिप्त मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीदरलैंड की यात्रा पर हैं। उन्होंने %द हेग% में भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत

की। इस दौरान अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा, %इतना प्यार और उत्साह... सच कहूं तो कुछ देर के लिए मैं भूल ही गया था कि मैं नीदरलैंड में हूं। ऐसे लग रहा है कि जैसे भारत में ही कहीं कोई फेस्टिवल चल रहा है।%नीदरलैंड में भारतीयों के योगदान पर हर भारतवासी को गर्व%- भारतीय समुदाय के योगदान पर गौरवान्वित होते हुए पीएम मोदी ने कहा, %आप नीदरलैंड के समाज और यहां की इकोनॉमी में जो आपकी देन हैं उस पर हर भारतवासी को गर्व है। मैं आज इस अवसर पर नीदरलैंड की जनता और सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। मैं यहां की जनता को 140 करोड़ भारतवासियों की तरफ से अपनी शुभकामनाएं देता हूं।%प्रधानमंत्री ने इस दौरान भारत की विश्व को देन और भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए आगे कहा, यहां बैठे अनेक परिवारों की कहानी प्रवासन की कहानी नहीं, यह सांस्कृतिक आस्था के बीच तमाम संघर्षों के बीच प्रगति की कहानी है। उस दौर में तब किसी ने सोचा नहीं था कि दो महासागर पार करने के बाद भी भारतीयों की पहचान इतनी जीवंत रहेगी। आपके पूर्वज बहुत कुछ पीछे छोड़ गए, लेकिन कुछ चीजें उनके साथ रहीं, अपनी मिट्टी की खशबू, त्योहार की संस्कृति, भजन की धुनें और पूर्वजों के संस्कार। समय के साथ अनेक संस्कृतियां मिट गईं लेकिन भार की विविध संस्कृति अपने लोगों के दिलों में धड़कता है।हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने 2014 के लोकसभा फैसले की सराहना की, जब उनके नेतृत्व में एनडीए सरकार ने पहली बार सत्ता संभाली थी। 16 मई को घोषित जनादेश को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, %तेरह साल पहले, इसी दिन भारत में एक विशेष घटना घटी थी। एक मजबूत और शक्तिशाली सरकार सत्ता में आई और एक कमजोर सरकार का शासन समाप्त हुआ। तब से देश का विकास हुआ है, इसलिए यह एक विशेष दिन है।% कोटि-कोटि भारतवासियों का विश्वास मुझे न रुकने देता है और न थकने देता है।%परिवेश बदल गए, लेकिन परिवार के संस्कार नहीं बदले%-पीएम मोदी ने आगे कहा कि, %परिवेश बदल गए, लेकिन परिवार के संस्कार नहीं बदले, अपनापन नहीं बदला। आपने डच भाषा को अपनाया लेकिन पुरखों की भाषा को छोड़ा नहीं। हमारे कम्युनिटी रेडियो यहां बहुत लोकप्रिय हैं। इन स्टेशन के माध्यम से संस्कृति और गाने लोकप्रिय हैं।

आप हमारी संस्कृति भावी पीढ़ियों तक पहुंचा रहे हैं। ये सराहनीय है और आप अभिनंदन के अधिकारी हैं। पीएम मोदी ने झालमुड़ी का किया जिक्र- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं,%क्या झालमुड़ी की लोकप्रियता यहां तक भी पहुंच गई है? हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में मतदान प्रतिशत 80-90त्न रहा, जिसमें महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रूप से अधिक रही... हर साल मतदान के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं% प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, %दुनिया नई चुनौतियों का सामना कर रही है। पहले कोरोना, फिर युद्ध और आज का ऊर्जा संकट। यह दशक चुनौतियों से भरा होता जा रहा है। यदि हालात में तेजी से बदलाव नहीं आया, तो पिछले कई दशकों की उपलब्धियां व्यर्थ हो जाएंगी और दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा गरीबी में डूब जाएगा... ऐसे समय में, भारत और नीदरलैंड भविष्य के लिए तैयार आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने के प्रयास कर रहे हैं%। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा- बीते वर्षों में भारत ने धरती से चंद्रमा की दूरी जितनी है, उससे भी 11 गुना अधिक ऑप्टिकल फाइबर बिछाया है। एक दशक पहले हम मोबाइल फोन इंपोर्ट करते थे, आज भारत दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल मैन्यूफेक्रर है। इसके अलावा आज के भारत की एक और पहचान है।

आज का भारत इनोवेशन पॉवर है। आज हमारे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की चर्चा पूरी दुनिया में होती है। ये भारतीयों के इनोवेशन का बहुत बड़ा प्रमाण है। भारत में चिप निर्माण, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सबसे बड़ा कदम उठाया जा रहा है। अभी भारत में 12 सेमीकंडक्टर प्लांट पर काम चल रहा है। इनमें से दो प्लांट में उत्पादन भी शुरू हो चुका है। यानी अब चिप भी, भारत में डिजाइन, भारत में निर्मित होगी।हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, %आपके पूर्वज जब यहां आए तो बहुत सी चीजें पीछे छोड़ गए, लेकिन कुछ चीजें हमेशा उनके साथ रहीं - उनकी मिट्टी की सुगंध, उनके त्योहारों की यादें, भक्ति गीतों की मधुरता और उनके पूर्वजों द्वारा विरासत में मिले मूल्य। मानव इतिहास इस बात का साक्षी है कि समय के साथ कई संस्कृतियां लुप्त हो गईं। लेकिन भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति आज भी यहां के लोगों के दिलों में मजबूती से बसी हुई है।%प्रधानमंत्री मोदी ने प्रवासी भारतीयों से संवाद में कहा- आज का भारत एक अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। आपने हाल में देखा होगा कि दुनिया की सबसे बड़ी और सफल एआई समिट भारत ने आयोजित की। उससे पहले जी-20 की सफल समिट भी भारत ने आयोजित की थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत बड़ी आकांक्षाओं से भरा है और निकट भविष्य में वह ओलंपिक खेलों की मेजबानी करना चाहेगा और वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने का भी बड़ा सपना देखेगा। भारत दुनिया का ग्रोथ इंजन बनना चाहता है।इस दौरान पीएम मोदी ने कहा मैं बहुत छोटी आयु में ही देशभक्ति के रंग में रंग गया। आप ही मेरे परिवार बन गए। अहम् से वयम् का रास्ता चुन लिया। फिर आपका सुख ही मेरा सुख बन गया और आपका कल्याण ही मेरा कर्तव्य बन गया। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा- 13 वर्ष मुख्यमंत्री के रूप में... 12 वर्ष प्रधानमंत्री का सेवाकाल... लोकतांत्रिक विश्व में 25 वर्षों तक... करोड़ों-करोड़ वोटर्स का लगातार समर्थन... ये मेरे लिए बहुत ही बड़े सौभाग्य की बात है। मेरे लिए ये सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है... ये आपका आशीर्वाद मेरी बहुत बड़ी पूंजी है।नीदरलैंड के हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का भारत बड़े सपने देखना चाहता है। इसकी आकांक्षाएं असीमित हैं और इसलिए यह स्टार्टअप इकोसिस्टम में योगदान देना चाहता है। आज देश कह रहा है- हमें सिर्फ ट्रांसफॉर्मेशन नहीं करना चाहिए, हमें सबसे अच्छा चाहिए, हमें सबसे तेज चाहिए। इसलिए जब भारत में आकांक्षाएं असीमित हैं, तो प्रयास भी असीमित हो रहे हैं। आज भारत का युवा आकाश छूना चाहता है।

## संक्षिप्त समाचार

### श्रम विभाग की बैठक में बड़ा फैसला, प्रदेश में अब दो दिन वर्क फॉम होम, अलग-अलग शिफ्ट में खुलेंगे ऑफिस

अधिकारियों के अनुसार गैस आपूर्ति प्रभावित होने से उत्पादन लागत बढ़ी है, जिससे कई उद्योगों में नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है।प्रदेश में बढ़ती लागत और गैस की कमी के चलते कई उद्योगों पर संकट गहराने लगा है। इसको लेकर श्रम विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। तय किया गया कि ऊर्जा खपत कम करने और उद्योगों को राहत देने के लिए सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था लागू की जाएगी।वहीं कार्यालयों और फैक्ट्रियों को अलग-अलग शिफ्ट में संचालित करने का निर्णय लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार गैस आपूर्ति प्रभावित होने से उत्पादन लागत बढ़ी है, जिससे कई उद्योगों में नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है। सरकार जल्द विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करेगी।

## जो जाना चाहते हैं, वे जा सकते हैंः चुनावी हार के बाद ममता के सख्त तेवर, बोलीं- पार्टी को फिर से खड़ा करूंगी

विधानसभा चुनाव में हार के बाद ममता बनर्जी ने टीएमसी को फिर से मजबूत करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि जो नेता पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे जा सकते हैं। ममता ने आरोप लगाया कि जनता का जनादेश लूटा गया है, लेकिन पार्टी फिर से खड़ी होगी। पश्चिम बंगाल में चुनावी झटके के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने पार्टी को फिर से खड़ा करने का आह्वान किया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे जाने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। शुक्रवार को कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास पर ममता बनर्जी ने चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी शामिल हुए।ममता बनर्जी ने कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बावजूद संगठन एक बार फिर मजबूती से खड़ा होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों से अपील की कि वे क्षतिग्रस्त हो

चुके पार्टी दफ्तरों को फिर से ठीक करें, उन्हें रंगें और दोबारा खोलें। ममता ने यहां तक कहा कि अगर जरूरत पड़ी, तो वह खुद भी दफ्तरों को पेंट करने में मदद करेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तृणमूल कांग्रेस कभी किसी के सामने नहीं झुकेगी। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि इस चुनाव में जनता के जनादेश को लूटा गया है।यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब टीएमसी सत्ता से बाहर होकर अब विपक्ष की भूमिका में आ गई है। राज्य की कुल 294 विधानसभा सीटों में से पार्टी केवल 80 सीटें ही जीत पाई है। खुद ममता बनर्जी को भी अपने पुराने राजनीतिक गढ़ भवानीपुर से हार का सामना करना पड़ा। टीएमसी ने 291 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे और तीन सीटें अपने सहयोगी दल बीजीपीएम के लिए छोड़ी थीं। चुनाव में पार्टी के 211 उम्मीदवार हार गए, जिनमें कई बड़े नेता और मंत्री भी शामिल हैं। पार्टी के भीतर असंतोष पर क्या बोली ममता?-पार्टी के भीतर असंतोष और नेताओं के दूसरी पार्टियों में जाने की अटकलों के बीच ममता बनर्जी ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह जानती हैं कि कुछ लोग पाला बदल सकते हैं। उनकी अपनी कुछ मजबूरियां हो सकती हैं, इसलिए वह किसी को भी जबरदस्ती पार्टी में रोक कर रखने में विश्वास नहीं करतीं। बैठक के बाद टीएमसी ने सोशल मीडिया पर उम्मीदवारों के साहस की सराहना की। पार्टी ने कहा कि उनके उम्मीदवारों ने डराने-धमकाने और अत्याचारों के बावजूद बहादुरी से चुनाव लड़ा। ममता बनर्जी ने इस बैठक के जरिए हार से निराश उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ाने और पार्टी में एकता का संदेश देने की कोशिश की है। उन्होंने साफ किया कि वे एकजुट होकर संघर्ष जारी रखेंगे।

## पाकिस्तान तय करे वो भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का, सेना प्रमुख की PAK को चेतावनी

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना जारी रखता है, तो उसे तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बने रहना चाहता है या इतिहास का। सेना प्रमुख ने यह बयान बयान ऐसे समय में सामने आया जब देश ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मना रहा हैं।सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को बहुत सख्त लहजे में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ साजिशें रचना जारी रखता है, तो उसे एक बड़ा फैसला लेना होगा। पाकिस्तान को यह तय करना होगा कि वह भविष्य में दुनिया के नक्शे (भूगोल) पर रहना चाहता है

या सिर्फ इतिहास का हिस्सा बनकर रह जाना चाहता है।जनरल द्विवेदी ने यह बात नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक संवाद सत्र के दौरान कही। उनसे सवाल पूछा गया था कि अगर पिछले साल के ऑपरेशन सिंदूर जैसी परिस्थितियां दोबारा बनती हैं, तो भारतीय सेना की प्रतिक्रिया क्या होगी। इसके जवाब में उन्होंने पाकिस्तान को यह सीधा और कड़ा संदेश दिया। सेना प्रमुख ने सीधे तौर पर कहा, %अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ काम करना जारी रखता है, तो उन्हें यह तय करना होगा कि वो भूगोल का हिस्सा बनना चाहता हैं या इतिहास का।%यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश और भारतीय सेना ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मना रहा हैं। जनरल द्विवेदी की यह संक्षिप्त टिप्पणी पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चेतावनी है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के कड़े रुख को एक बार फिर दोहराया है।बाद दें कि, पिछले साल सात मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत हुई थी। 10 मई की शाम को दोनों पक्षों के बीच एक आपसी समझ बनने के बाद यह संघर्ष रुका था। सेना प्रमुख के इस ताजा बयान ने साफ कर दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

## स्वतंत्र देव सिंह का बड़ा बयान, बोले- कांग्रेस मुक्त का मतलब वंशवाद और नक्सलवाद मुक्त भारत

कानपुर में भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग में पहुंचे कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पीएम मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में देश से वंशवाद, नक्सलवाद और कम्युनिस्ट समाप्त हो गए हैं।कानपुर पहुंचे उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि जब हमारे नेता कहते

हैं, कांग्रेस मुक्त तो उसका मतलब होता है वंशवाद मुक्त, नक्सलवाद मुक्त, माओवाद मुक्त। भारत देश की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में नक्सलवाद, माओवाद और कम्युनिस्ट समाप्त हो गया है। आज पश्चिम बंगाल में भी हमारी सरकार है।पूरे देश में भी हमारी सरकार है। वंशवाद भी समाप्त हो गया है। बता दें कि मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भाजपा कानपुर की ग्रामीण इकाई के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता के तौर पर कानपुर आए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता ही सबसे बड़ा है। भाजपा का कार्यकर्ता कब किस मुकाम पर पहुंच जाए, यह देश की जनता लगातार देख रही है।

## संपादकीय Editorial

### The war crisis is on our doorstep.

Prime Minister Modi has set an example by reducing his convoy size. Two videos surfaced on Wednesday. One showed only two cars in the convoy, while the other showed four. This is not economy, but risk. There was no such expectation or complaint from the Prime Minister. The Prime Minister lives under the protection of the Special Protection Group (SPG). That security has its own protocol, so questioning the presence of 15 or 20 cars in the convoy is meaningless. The Prime Minister's security cannot be compromised in any way. The Prime Minister's example has been followed by the Defense Minister, Home Minister, Road Transport Minister, and several Chief Ministers of BJP-ruled states. However, Punjab Chief Minister Bhagwant Mann and Bihar's "saffron Chief Minister" Samrat Chaudhary are still seen traveling with convoys of 19 or 20 cars. However, they too will soon come to their senses. Economy in convoys and other arrangements must be permanent; herd mentality or hypocrisy would be extremely dangerous. Savings shouldn't be limited to the Prime Minister, Ministers, Chief Ministers, MPs, MLAs, etc. Secretaries, Additional Secretaries, Joint Secretaries, and Director-level IAS and IPS officers in the government are provided with separate government vehicles. Reductions are crucial. They all commute from government residences located 2-4 kilometers away to the office and then return home. The luxury and pomp of government vehicles should be eliminated. Such officers should be brought to the office in a special bus-like vehicle and dropped home in the evening. It is not constitutional protocol that all officers enjoy the same privileges as a "Maharaja." If there is a petrol and diesel crisis in the country, then frugality is inevitable. Exemptions have always been made for emergencies. In reality, these officials are the policymakers of our system and are therefore autocratic. However, Prime Minister Modi has called for video conferencing and online meetings, and some Chief Ministers, like Chief Minister Yogi Adityanath, have issued orders to implement this system. So, these top officials should also follow suit. If the Prime Minister's full appeal is accepted and implemented, savings of ?11.5 lakh crore could be realized in a single year. This is a substantial sum. If fuel is saved by shortening the number of convoys, approximately 91,250 liters of diesel would be saved annually. Thus, a saving of ?1 crore could be achieved. This pomp and status quo must be abandoned now, as the crisis arising from the Iran war has reached India's doorstep. Reserve Bank of India Governor Sanjay Malhotra has stated in a public forum that if the Iran war continues and prolongs, the government will be forced to increase the retail prices of petrol and diesel. LPG cylinders will also become more expensive, as these are all imported. Union Petroleum Minister Hardeep Puri is also sadly revealing that the country's oil companies are facing an average loss of ?1,000 crore per day. This loss has exceeded ?1 lakh crore in the 75 days of the war. It is certain that if crude oil prices continue to rise at this rate, they will become unavoidable. On Wednesday, crude oil prices reached $108 per barrel. However, during this period of war, petrol and diesel prices have risen in 98 countries. Forty countries have had to implement oil-related protocols. Countries like the United States, Saudi Arabia, the United Arab Emirates, Russia, Vietnam, the Philippines, Bangladesh, Sri Lanka, and Thailand have had to ration petroleum products and implement numerous protocols. It is crucial that India has not allowed this burden to fall on its people during these 75 days. Now, as the crisis is worsening, we are starting with savings. Such calls for savings were also made by Prime Ministers like Lal Bahadur.

# Ending Jungle Raj in Bengal

During Mamata Banerjee's 15-year rule, countless incidents occurred that brought the state government into disrepute, but despite all this, her misrule was never labeled as jungle raj. Mamata Banerjee's Bengal is compared to Lalu Prasad Yadav's Bihar jungle raj. Bengal witnessed violence, corruption, a serious lack of law and order, rebukes from the judiciary, and migration and oppression. Whenever jungle raj is mentioned, Bihar during Lalu Yadav's tenure became so notorious for lawlessness that the Rashtriya Janata Dal continues to suffer its consequences to this day. During elections, opposition parties to the RJD remind people of the horrific days of Lalu Prasad Yadav's jungle raj, making their work easier. This is because the people of Bihar have not forgotten how kidnapping and ransom became an industry during Lalu Yadav's rule, and how many cities in the state would become desolate as dusk fell. The people of Bihar have not forgotten the terror wielded by mafia figures like Shahabuddin and how strongmen like him enjoyed Lalu's protection. Just as it's unknown when Bihar will be free from the memories of RJD's jungle raj, it's equally difficult to say when West Bengal will forget the extremes of Mamata Banerjee's misrule. This misrule was a kind of jungle raj, and in some ways, even worse than Bihar's. Lalu Yadav's rule became infamous as "Jungle Raj" because, in August 1997, the Patna High Court remarked, "There is no government in Bihar; it is worse than Jungle Raj." The Calcutta High Court did not make such a comment about the Mamata Banerjee government, but it repeatedly reprimanded her for various instances of violence and corruption, including the 2021 post-election violence, the RG Kar Hospital scandal, or the teacher recruitment scam. Recently, the Mamata Banerjee government was reprimanded for not providing land to the BSF for border fencing. The Mamata Banerjee government also faced multiple reprimands from the Supreme Court in several cases. Following the 2021 Bengal Assembly elections, some of those who were forced to flee their homes and seek refuge in Assam were unable to return for months. This violence was so open and horrific that, in the era of Nehru and Indira Gandhi, President's rule might have been imposed before Mamata Banerjee's inauguration. The National Human Rights Commission investigated this horrific violence on the orders of the judiciary. This was because the police remained mute spectators when the violence was taking place. This commission made a strong observation, stating that in Bengal, the rule of law prevails, but rather the law of the rulers. Regarding anarchy, the violence in Sandeshkhali cannot be forgotten. Because the leader responsible for this violence enjoyed the protection of the TMC, he was arrested only after a long time.

The Murshidabad incident, which epitomizes anarchy, also cannot be forgotten. In the name of opposing the Waqf Act, a barbaric dance of violence against Hindus took place in Murshidabad. Fearing the terror of the rioters, people fled to Assam and Jharkhand to save their lives. During Mamata Banerjee's rule, the audacity of TMC's powerful leaders and workers and the goons protected by them increased so much that they did not hesitate to target even the police and central agencies. They engaged in illegal extortion and extortion from everyone. In Bengal, this practice was notorious in the form of cut money, i.e., commission, and tolabaj, i.e., illegal extortion. Any cargo passing through Bengal was subjected to the threat of corruption. Vehicles were no escape from illegal extortion. Similarly, street vendors earning two to four hundred rupees a day were victims of extortion. People could neither buy land nor purchase materials for building a house without paying TMC leaders. Mamata Banerjee was not unaware of this, as evidenced by her statement in 2019, stating that she did not want thieves in her party and that anyone who had collected cut money should return it. Obviously, no one did so. Instead, it was later reported that Mamata Banerjee's words were misinterpreted. During Mamata Banerjee's 15 years in power, countless incidents occurred that brought the state government into disrepute, yet despite all this, her misrule was never labeled as "jungle raj." This was because a section of the media in Delhi and Kolkata consistently described her as a fighter and highlighted her as a highly secular leader. Because Mamata Banerjee was considered a secular leader, liberals failed to see how she engaged in appeasing minorities and even Bangladeshi infiltrators. And how she has allowed her cadre to act arbitrarily. The news, photos, and videos of people who were excited and emotional after the election results in Bengal, and those who were harassed or forced to flee during Mamata Banerjee's rule, scream that Mamata Banerjee's rule had become a terrifying synonym for autocracy.

# A Culture of Extravagance

It would be good to cultivate a culture of curbing wasteful expenditure and saving foreign exchange even during normal times. The Prime Minister set an example of frugality by reducing his convoy. He emphasized the need to curb government wasteful expenditure and save foreign exchange. He advised reducing expenditure on petroleum, foreign travel, and education. It is good that by reducing his convoy, the Prime Minister set an example of what he personally encourages others to do. Following his reduction in his convoy, some Union Ministers have followed suit. It is hoped that Chief Ministers and Ministers of BJP-ruled states will follow suit, but similar measures should be seen in non-BJP ruled states as well. MPs, MLAs, other public representatives, and bureaucrats should also do the same. Introducing frugality is not the domain of any particular government or party. It is a national necessity, not just a current one. Since we are a developing country, frugality must always be practiced, and this should be demonstrated most especially by politicians and bureaucrats, because a culture of extravagance has taken root among them, replacing frugality. It's no secret that the longer the convoy, the more imposing the person is perceived to be. There's a dire need to break free from this ostentatious mentality. If ministers today, due to the energy crisis, have found it appropriate to travel with two or three cars, why didn't they see the need for it before? After all, it's not as if petroleum products were produced domestically or were cheap to import before the energy crisis. The government should be well aware that petroleum imports consume the most foreign exchange. Along with reducing petroleum consumption, the government must also focus on other long-term measures to conserve foreign exchange. A significant foreign exchange consumption is due to foreign travel for tourism. This is because the country hasn't developed the kind of tourist destinations and tourist-friendly environment that countries like the Maldives, Thailand, and Sri Lanka have. This is despite India being far more prosperous in terms of tourist destinations. Despite this, people are now traveling abroad for weddings, parties, and other events. A significant foreign exchange consumption of foreign currency is also driven by students going abroad to study. Our students go abroad in large numbers because quality education centers are not developing in the country. It would be good to cultivate a culture of curbing wasteful spending and saving foreign currency even during normal times.

## First, the government machinery must practice frugality.

Ministers and officers of the central and state governments must first rein themselves in. Only then will it be appropriate to preach to the public. Leadership lessons from the examples of Gandhiji and Rao.Preaching frugality to the public in the face of government wasteful expenditure. Warning of the economic crisis resulting from a wrong foreign policy. A woman who visited Gandhiji's ashram said, "My son eats a lot of jaggery, but if you forbid him from eating it, he will give it up." Gandhiji looked at the woman and her son and said, "Come to see me on this date next month." A month later, on the appointed date, the woman went to Gandhiji with her son. Gandhiji told her son to give up eating jaggery. The son swore right there that he would not eat it. The woman replied, "I came from such a long distance to come to you. You could have said the same thing a month earlier." Gandhiji then told the woman, "I can only give advice to anyone if I follow it myself." During this one month, I first gave up jaggery myself, and then I had the right to tell my child to give it up. Before that, I had no right to preach to him. The woman's eyes welled with tears, and she took her son and went back to her village. This story was recounted by then-Prime Minister P.V. Narasimha Rao in the US Congress. I also accompanied him on that trip. This was at a time when the US was pressuring India to compromise with Pakistan over Kashmir. Rao listened silently to the US government and responded in front of all the members of the US Congress, "You're asking me to compromise on Kashmir, but why don't you first compromise on Mexico? You've seized Mexico's land and are lecturing us. First, apply this to yourself, like Gandhiji did. Only then can you give me this advice." I saw that even the US Congressmen themselves were clapping after hearing Rao's words. Today, the Indian government is advising people to spend less on petrol and diesel, avoid foreign travel, avoid buying gold, reduce gas consumption, avoid excessive driving, travel by public transport, and reduce their vehicle usage. Reduce the use of cooking oil. Farmers should reduce fertilizer use.

# मम्मी-पापा के पास जाना है, जेल में रात भर रोई लाडली बेटी अरीबा; भाई अरीब से कहती रही सिर्फ एक बात

## परिवार को बेहोश कर ये काम करना चाहते थे अरीबा और अरशद, व्हाट्सएप चैट से सामने आई कई चौंकाने वाली बातें

मुरादाबाद के पीतल कारोबारी के घर हुई करोड़ों की डकैती में आरोपी बेटी जेल में बेचैन है। शुक्रवार सुबह भाई अरीब मुलाकात करने पहुंचा तो उसके सामने फूट-फूटकर रोने लगी। बोली- मुझे अपनी मम्मी-पापा की याद आ रही है। मम्मी-पापा से मिलना है।मुरादाबाद के पीतल कारोबारी के घर हुई करोड़ों की डकैती में पुलिस ने उसकी बड़ी बेटी को गिरफ्तार किया है। बड़ी बेटी को जेल भेज दिया गया है। अपने ही घर में डाका डलवाने की आरोपी इक्कीस वर्षीय अरीबा रात भर जेल में सो नहीं सकी। वह रोती रही। शुक्रवार सुबह भाई अरीब मुलाकात करने पहुंचा तो उसके सामने फूट-फूटकर रोने लगी। बोली- मुझे अपनी मम्मी-पापा की याद आ रही है। मम्मी-पापा से मिलना है। भाई ने उससे आश्वासन दिया है कि अगली बार मिलने आएगा तो मम्मी-पापा को साथ लेकर आएगा। इसके बाद ही अरीबा शांत हुई। वहीं, अरशद के पिता भी उससे मुलाकात करने जेल पहुंचे थे। कुलदीप और रवि के रिश्तेदारों ने भी मुलाकात की।मुरादाबाद के नागफनी थाने की पुलिस ने बृहस्पतिवार को अरीबा, उसके प्रेमी अरशद, घटना में शामिल आरोपी कुलदीप, रवि, विक्की को गिरफ्तार किया था। बृहस्पतिवार की शाम पांचों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया था।अरीबा को महिला बैरक में रखा गया। बाकी चारों आरोपी जिला जेल में हैं। बृहस्पतिवार की रात अरशद, कुलदीप, विक्की और रवि ने तो खाना खाया लेकिन अरीबा ने कम खाना खाया। रात भर अपने परिवार को याद कर सुबकती रही।अरीबा की निगरानी के लिए जेल प्रशासन ने बंदी रक्षक लगाए थे। सूत्रों के मुताबिक, अरीबा रातभर बेचैन रही। थोड़ी देर भी सो नहीं सकी। कभी उठकर बैठ जाती तो कभी रोने लगती। शुक्रवार की सुबह ही अरीबा, कुलदीप, रवि, अरशद के परिवार के लोगों ने मुलाकात के लिए ऑनलाइन बुकिंग कर दी थी।चारों की पर्चियां लगी थीं। अरीबा से उसके भाई अरीब ने मुलाकात की। मुलाकात के दौरान भाई-बहन के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। इस दौरान अरीबा फूट-फूट कर रोने लगी। बताया जा रहा है कि इस दौरान वह रोते हुए बोली कि उसे मम्मी पापा की बहुत याद आ रही है।भाई ने किसी तरह उसे शांत कराया। भाई ने भरोसा दिया है कि वह अगली बार आएगा तो मम्मी पापा को साथ लेकर आएगा। वह बार-बार बोल रही कि उसने परिवार के साथ अच्छा नहीं किया।उसने अपने पापा की तबीयत के बारे में भी पूछा और छोटे भाई और बहन के बारे में जानकारी की।अरशद के पिता निजामुद्दीन, कुलदीप और रवि के रिश्तेदार भी मुलाकात करने पहुंचे। पांचवें आरोपी निक्की से शुक्रवार को किसी ने मुलाकात नहीं की। वरिष्ठ जेल अधीक्षक आलोक कुमार सिंह ने बताया कि अरीबा, कुलदीप, रवि और अरशद से उनके परिजन और रिश्तेदार मुलाकात करने पहुंचे थे। जेल मैनुअल के अनुसार मुलाकात कराई गई है।मुरादाबाद के नागफनी के बंगला गांव स्थित अकबर कंपाउंड में पीतल कारोबारी इमरान के घर रविवार की देर रात करोड़ों का डाका किसी और ने नहीं, उसकी बेटी अरीबा ने अपने प्रेमी अरशद के साथ मिलकर डलवाया था। बृहस्पतिवार को पुलिस ने अरीबा, अरशद समेत वारदात में शामिल पांच युवकों को गिरफ्तार कर इस सनसनीखेज घटना का खुलासा कर दिया। पुलिस के मुताबिक अरीबा ने ही रिमोट से डिजिटल लॉक खोलकर बदमाशों को अंदर बुलाया था। पुलिस ने 47.24 लाख रुपये बरामद कर लिए। घटना में शामिल अन्य बदमाशों की तलाश की जा रही है।एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि मूलरूप से डिलारी थाना क्षेत्र के ढकिया निवासी कारोबारी इमरान अपने परिवार के साथ अकबर कंपाउंड में दो मंजिला मकान में रहते हैं। पीतल के अलावा उनका प्रॉपर्टी खरीदने और बेचने का काम भी है। इमरान को सोमवार को जिगर कॉलोनी स्थित मकान की रजिस्ट्री करानी थी। इसलिए उन्होंने रिश्तेदार, परिचित और पार्टनर से 1.20 करोड़ का कैश जुटाकर घर में रखा था। रविवार को कारोबारी की बेटी अरीबा का जन्मदिन था।पीतल कारोबारी के घर करोड़ों की डकैती के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। लाडली बेटी अरीबा अपने प्रेमी अरशद के साथ परिवार को बेहोश कर नकदी-जेवर लेकर भागना चाहती थी। लेकिन इस डर से प्लान बदल लिया था। व्हाट्सएप चैट से कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं।मुरादाबाद के पीतल कारोबारी के घर करोड़ों के डाके में अरीबा और अरशद की व्हाट्सएप चैट से कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। पुलिस के मुताबिक कारोबारी की बेटी अरीबा पर उसका प्रेमी अरशद वारसी दबाव बना रहा था कि वह अपने परिवार को बेहोश कर घर से जेवर और नकदी लेकर आ जाए। आरोपी के दबाव में आकर अरीबा ने एक रात अपने परिवार को चाय में नशे की गोलियां मिलाकर पिला भी दीं थीं। जेवर और नकदी एक बैग में भरकर घर से निकलने ही वाली थी कि अचानक अरीबा ने प्लान बदल दिया था। उसे लगा कि उसके गायब होने से परिजन पुलिस के पास पहुंच जाएंगे और उसका भेद खुल जाएगा। इसके बाद उसने घर में डाका डलवाने की साजिश रची।नागफनी के बंगला गांव स्थित अकबर कंपाउंड में पीतल कारोबारी इमरान के घर में पड़ी डकैती का पुलिस खुलासा कर चुकी है। कारोबारी की बेटी अरीबा, उसके प्रेमी अरशद समेत पांच आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। इनसे 47 लाख 24 हजार रुपये भी बरामद किए गए हैं। अरीबा, अरशद के मोबाइलों की कॉल डिटेल और पुलिस की जांच पड़ताल में अब नए तथ्य सामने आ रहे हैं।घर में रखे नोटों के फोटो अरशद को व्हाट्सएप पर भेजती थी अरीबा- अरीबा और अरशद ने पहले भाग कर शादी करने का प्लान बनाया था लेकिन अरशद ने अपनी गरीबी का हवाला देकर कुछ समय बाद शादी करने की बात कही थी। दोनों के बीच हुई व्हाट्सएप चैटिंग में इन बातों का जिक्र है। अरीबा बार बार अपने घर में रखे नोटों के फोटो अरशद को व्हाट्सएप पर भेजती थी। पुलिस इन फोटो और चैटिंग के स्क्रीन शॉट भी केस डायरी में शामिल रही है।अरशद अरीबा पर दबाव बनाता था कि वह अपने घर से नकदी और जेवर लेकर आए तो वह उससे शादी करने को तैयार है। इसके बाद वह इतने दूर चले जाएंगे कि घर वाले भी उन्हें ढूंढ नहीं पाएंगे। करीब एक माह पहले अरीबा के पिता कारोबार के सिलसिले में बाहर गए थे।अरीबा ने इसकी जानकारी अरशद को दी और उसने पूरा प्लान बना लिया कि वह रात को कार लेकर आ जाए और उसे अकबर कंपाउंड के गेट से बैठाकर ले जाए। साजिश के तहत अरीबा ने खाना खाने के बाद जब परिवार के लोग सोने की तैयारी कर रहे थे तो उसने चाय बना ली और उसमें नशे की गोलियां मिला दीं।अरीबा ने भर लिए थे घर में रखे नोटों की गड्डियां और जेवर एक बैग में- चाय पीकर अरीबा की मां, बहन और दोनों भाई गहरी नींद में हो गए थे। अरीबा ने घर में रखे नोटों की गड्डियां और जेवर एक बैग में भर लिए थे और बाहर निकलने की तैयारी कर रही थी। इसी दौरान उसे लगा कि अगर वह बाहर चली जाएगी तो सुबह परिवार के लोग उसे ढूंढते हुए पुलिस के पास पहुंच जाएंगे।पुलिस उन्हें ढूंढ ही लेगी। इसके बाद अरीबा ने अरशद से व्हाट्सएप पर मैसेज कर मना कर दिया कि वह बाहर नहीं आ रही है। एक घंटे से ज्यादा समय तक अरशद इंतजार करने के बाद वहां से चला गया था। घर में डकैती डलवाने की योजना बनाई थी।एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि पूछताछ में अरीबा ने चाय में नशे की गोलियां मिलाकर परिवार को पिलाने की बात कबूली है। दोनों शादी करना चाहते थे। पहले दोनों ने भागकर शादी करने की योजना भी बनाई थी।पीतल कारोबारी के घर डकैती की घटना के बाद पुलिस टीमें पड़ताल में जुटी थीं। परिवार से पूछताछ, आस-पड़ोस के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य कार्रवाई पर अरीबा नजर रख रही थी और पल पल की जानकारी अरशद को दे रही थी। अरीबा के मोबाइल की कॉल डिटेल से पता चला कि घटना के बाद भी अरीबा और अरशद के बीच बातचीत चल रही थी।

# आंधी के दौरान गंवाई थी जान, प्रभारी मंत्री ने परिजनों दी आर्थिक सहायता, कहा-आवास भी दिलाएंगे

संभल में आंधी के दौरान हुई दो लोगों की मौत के बाद प्रभारी मंत्री धर्मवीर सिंह प्रजापति ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये के चेक और खाद्य सामग्री सौंपी।

साथ ही बच्चों की निशुल्क शिक्षा, आवास और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश प्रशासन को दिए।कैलादेवी थाना क्षेत्र के गांव गंगहेटा में शुक्रवार को जिले के प्रभारी मंत्री धर्मवीर सिंह प्रजापति डीएम और एसपी के साथ पहुंचे। आंधी के दौरान मौत का शिकार हुए दो लोगों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें चार-चार लाख रुपये का चेक सौंपा। खाद्य सामग्री भी दी गई।13 मई की सुबह गांव गंगहेटा निवासी भगवान सिंह (32) और नेमवती (32) की आंधी के दौरान हुए हादसे में मौत हो गई थी। नेमवती आंधी के दौरान पशुशाला से घर में जा रही थीं। इस दौरान बिजली का खंभा टूटकर उन पर गिर गया था। उपचार के दौरान मौत हुई थी।इसी गांव के निवासी भगवान सिंह घर के बाहर बनी झोपड़ी को आंधी से बचाने के लिए प्रयास कर रहे थे तो उन पर दीवार गिर गई थी। भगवान सिंह की भी उपचार के दौरान मौत हुई थी। प्रशासन की टीम ने प्राकृतिक आपदा जनहानि की रिपोर्ट तैयार की। इसी क्रम में अब दोनों मृतकों के परिजनों को चेक सौंपे गए हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि शासन की जो भी योजनाएं चल रही हैं उनका लाभ पीड़ित परिवारों को दिलाया जाएगा। इसके अलावा बच्चों की शिक्षा निशुल्क मिलेगी। आवास भी दिलाया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन को निर्देश दे दिए गए हैं।

# सोने-चांदी की दामों में उछाल ने छीनी 1500 कारीगरों के चेहरे की दमक, 150 कारखानों में काम हुआ मंदा

सोने और चांदी की बढ़ती कीमतों का असर सराफा बाजार के कारीगरों पर भी पड़ने लगा है। मुरादाबाद में गहने बनाने और मरम्मत का काम करने वाले कारीगरों को दिनभर में एक-दो ग्राहक ही मिल पा रहे हैं। इससे उनकी रोज की मजदूरी भी नहीं निकल पा रही है। सोने और चांदी की कीमतों ने केवल आम आदमी की जेब पर असर नहीं डाला है बल्कि उन हाथों से भी काम छीन लिया है, जो इन धातुओं को तराशकर आभूषण बनाते हैं। शहर के सराफा बाजार में इन दिनों सन्नाटा है और कारीगरों के चेहरे की रौनक गायब हो गई है। कारीगरों का कहना है कि दिनभर में एक या दो ग्राहक सोने व चांदी के गहने ठीक कराने आ रहे हैं। दिनभर में 500 रुपये की मजदूरी नहीं हो पा रही है। सराफा कमेटी बाजार गंज के अनुसार, शहर में सोने व चांदी के आभूषणों की मरम्मत और जुड़ाई करने वाले करीब 1,500 कारीगर दुकानों के बाहर अपने औजारों के साथ बैठते हैं, लेकिन दिनभर में कहना है कि लोग नया सामान तो दूर, पुराना ठीक कराने भी नहीं आ रहे। हमारी पूरी दिहाड़ी इसी 200-300 रुपये की गया है। दिन सोने की कीमत चांदी की कीमत मजदूरी पर टिकी होती है, लेकिन अब बोहनी होना भी मुश्किल हो 11 मई-1.51 लाख प्रति 10 ग्राम-2.57 लाख प्रतिकिलो 13 मई-1.58 लाख प्रति 10 ग्राम-2.77 लाख प्रतिकिलो 14 मई-1.57 लाख प्रति 10 ग्राम-2.78 लाख प्रतिकिलो दिनभर में एक या दो ग्राहक गहने बनवाने आ रहे हैं। चांदी के गहने जोड़ने का 50 रुपये और सोने की चेन जोड़ने के 100 रुपये तक लिए जाते हैं। बजार में ग्राहक बिल्कुल नहीं हैं। -वीरेंद्र वर्मा, आभूषण कारीगर सुबह से खाली बैठा हूं। अभी तक गहने ठीक कराने एक भी ग्राहक नहीं आया है। महंगाई ज्यादा बढ़ गई है। परिवार चलाना काफी मुश्किल हो गया है। कभी कभार ठीक-ठाक कमाई हो जाती है। -सतीश, आभूषण कारीगर दो साल से सोने व चांदी की कीमतें ज्यादा बढ़ रही हैं। पहले की अपेक्षा कमाई कम हो गई है। लोग गहने ठीक कराने बहुत कम आ रहे है। महीने में 15 हजार रुपये की कमाई नहीं हो पा रही है। -नरेंद्र, आभूषण कारीगर

## संक्षिप्त समाचार

### डीएम पर विवादित टिप्पणी में आजम खां दोषी, दो साल कैद और 20 हजार का लगा जुर्माना

रामपुर की अदालत ने तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में आजम खां को दोषी करार दिया है। यह मुकदमा भोट थाना क्षेत्र में दर्ज हुआ था। कोर्ट ने आजम को दो साल के कारावास की सजा सुनाई है।

सपा नेता आजम खां को तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रामपुर की कोर्ट ने दो साल की कैद और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया था।आरोप था कि चुनाव प्रचार के दौरान सपा नेता ने तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच के बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। तभी से अदालत में मामले की सुनवाई चल रही थी।शनिवार को कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद आजम खां को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा और 20 हजार रुपये जुर्माना अदा करने का आदेश दिया गया।आजम खां और अब्दुल्ला आजम की सजा बढ़ाने की अपील पर बहस शुरू- उधर, सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में सुनाई गई सजा बढ़ाने को लेकर दायर अपील पर शुक्रवार को बचाव पक्ष की ओर से बहस शुरू हुई। बचाव पक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता ने बहस की। उनकी बहस अभी जारी है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 मई की तारीख तय की है। सपा नेता अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने हाल ही में आजम खां और अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की कैद और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सजा के खिलाफ और अभियोजन पक्ष की ओर से सजा बढ़ाने को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई है। एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान एडीजीसी सीमा राणा ने बताया कि सजा बढ़ाने से संबंधित अपील पर बचाव पक्ष की ओर से बहस शुरू कर दी गई है। उनकी बहस अभी पूरी नहीं हुई है। कोर्ट ने अगली सुनवाई 18 मई को निर्धारित की है।

### आंधी-बारिश दो दिन में हुई बेअसर, चढ़ने लगा तापमान

मुरादाबाद । मौसम फिर बेरहम हो रहा है। दो दिन पहले रात में आई तेज आंधी और बारिश से जनजीवन भले ही बेपटरी हो गया, लेकिन गर्मी से बहुत राहत नहीं मिली। अब तापमान फिर चढ़ने लगा है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी दिनों में तापमान अधिकतम चढ़कर 40 डिग्री सेल्सियस के पार फिर पहुंचेगा, जिससे लू के थपेड़े लोगों को फिर झुलसाएंगे, जबकि 25 मई से नौतपा में नौ दिन भीषण गर्मी भी झेलनी पड़ेगी। शुक्रवार को सुबह से ही धूप निकली, दोपहर में सूरज की तपिश बढ़ने से अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। दोपहर में लोग गर्मी से बेहाल हुए। घरों में भी पंखा बेअसर रहा। कूलर, एयरकंडीशनर चलाकर लोगों ने समय बिताया। दोपहिया वाहन चालक हेलमेट पहनने के बाद भी चेहरे पर रुमाल और सनग्लास पहनकर निखले। वहीं युवतियों और महिलाओं ने स्कार्फ से चेहरा ढक कर सूरज की किरणों से बचने की जतन की। कोल्ड ड्रिंक्स, लस्सी, छांछ पीकर खुद को लोगों ने तरोताजा किया। कई जगह लोगों ने ट्यूबवेल के पानी में नहाकर राहत पाई। हालांकि देर शाम तक सूरज की तपिश बनी रही। वहीं रात में उमस भरी गर्मी से लोगों की नींद में खलल पड़ी। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान बढ़कर 40 डिग्री सेल्सियस या इससे भी अधिक रहने का अनुमान जताया है, जिससे लोगों को लू के थपेड़े भी झेलने पड़ेंगे।21 मई तक का संभावित तापमान तारीख अधिकतम तापमान न्यूनतम तापमान 16 मई 35 डिग्री सेल्सियस 26 डिग्री सेल्सियस 17 मई 36 डिग्री सेल्सियस 27 डिग्री सेल्सियस 18 मई 38 डिग्री सेल्सियस 27 डिग्री सेल्सियस 19 मई 39 डिग्री सेल्सियस 28 डिग्री सेल्सियस 20 मई 40 डिग्री सेल्सियस 28 डिग्री सेल्सियस 21 मई 40 डिग्री सेल्सियस 29 डिग्री सेल्सियस

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

# जिला अधिकारी ने छोड़ी सरकारी गाड़ी, इलेक्ट्रिक बस से पहुंचे तहसील

## बरेली में दिखा ग्रीन इंडिया का दम

क्यूँ न लिखूँ सच / पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत की दिशा में शनिवार को अनूठी पहल करते हुए इलेक्ट्रिक बस यात्रा निकाली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह, जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ इलेक्ट्रिक बस से मीरगंज तहसील पहुंचे। इस पहल का उद्देश्य लोगों को हरित ऊर्जा और प्रदूषण मुक्त परिवहन के प्रति जागरूक करना रहा।

जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण बेहद जरूरी हो गया है। इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल से प्रदूषण कम होगा और पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता भी घटेगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा अपनाकर आने वाली पीढ़ियों को बेहतर और सुरक्षित वातावरण दिया जा सकता है।डीएम की इस पहल की आमजन ने भी जमकर सराहना की। लोगों ने इसे प्रशासन का प्रेरणादायक कदम बताते हुए कहा कि यदि अधिकारी खुद आगे आकर ऐसा संदेश देंगे तो आम जनता भी तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित होगी।

## तहसील अमरिया का सम्पूर्ण समाधान दिवस हुआ सम्पन्न

# सम्पूर्ण समाधान दिवस में 39 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये मौके पर 04 शिकायत का हुआ निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / पीलीभीत सूचना विभाग 16 मई 2026/ जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में विकासखण्ड अमरिया का सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 39 शिकायती प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुये, जिसमें से मौके पर 04 शिकायत का निस्तारण किया गया। प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारी अपनी-अपनी विभागीय शिकायतों का गुणवत्ता परक ढंग से निस्तारण करें, अधिकारी स्वयं शिकायतकर्ता की शिकायतों के निस्तारण हेतु मौका मुआइना अवश्य करें और शिकायतकर्ता सहित दोनों पक्षों को बुलाकर शिकायतों का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें तथा निस्तारण आख्या पोर्टल पर अपलोड करें। राजस्व सम्बन्धी मामलों में जहां पर पुलिस प्रशासन की आवश्यकता हो तो वहां पुलिस को साथ लेकर मौके पर निस्तारण कराया जाये। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि जनसुनवाई, आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारण कराना सुनिश्चित किया जाये।

विकासखंड कार्यालय परिसर में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए एलिम्को द्वारा कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों द्वारा परीक्षण कराया गया। शीघ्र ही उनको सहायक उपकरण जैसे कान मशीन, बैशाखी व अन्य उपकरण प्रदान किये जायेंगे। इसके साथ ही सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी लोगों को दी गई। जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों एवं बी0डी0सी0 सदस्यों को स्व-गणना अभियान की जानकारी दी और लोगों से अपील करते हुये कहा कि स्व-गणना में लोग भाग लें और अपनी सूचनाएं दर्ज करवायें तथा राष्ट्रहित कार्य में सभी लोग अपना योगदान दें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, मुख्य चिकित्साधिकारी, उप जिलाधिकारी अमरिया, जिला विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला विद्यालय निरीक्षक, सहायक निबन्धक सहकारिता, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, तहसीलदार अमरिया, खण्ड विकास अधिकारी, थानाध्यक्ष सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# बरेली में मिलेगा रोबोटिक घुटना और जोड़ इलाज का सुपर स्पेशलिस्ट इलाज

## मैक्स हॉस्पिटल शालीमार ने ईशान हॉस्पिटल में शुरू की ऑर्थोपेडिक्स ओपीडी सेवा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, शालीमार बाग ने ईशान हॉस्पिटल में एडवांस्ड ऑर्थोपेडिक्स और रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट ओपीडी सेवाओं की शुरुआत कर दी है। उद्घाटन अवसर पर रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. साइमन थॉमस, डॉ. लक्ष्य गोयल और ईशान हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. कौशल कुमार मौजूद रहे। अब हर महीने के तीसरे रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक मरीजों को बरेली में ही विशेषज्ञ परामर्श और फॉलो-अप सुविधा मिलेगी। डॉ. साइमन थॉमस ने बताया कि घुटनों और जोड़ों का दर्द, अकड़न और चलने-फिरने में परेशानी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट तकनीक से सर्जरी अधिक सटीक, कम दर्द वाली और तेजी से रिकवरी देने वाली बन चुकी है। डॉ. लक्ष्य गोयल ने कहा कि अब मरीजों की जरूरत के अनुसार पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट दिया जा रहा है, जिससे लोग जल्दी सामान्य और सक्रिय जीवन में लौट पा रहे हैं। वहीं डॉ. कौशल कुमार ने कहा कि इस पहल से बरेली और आसपास के मरीजों को अब बड़े शहरों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा और घर के पास ही सुपर स्पेशलिस्ट इलाज उपलब्ध होगा।

# चौपला फ्लाईओवर पर डीएम का बड़ा एक्शन, अब दिन-रात दो शिफ्ट में होगा मरम्मत कार्य

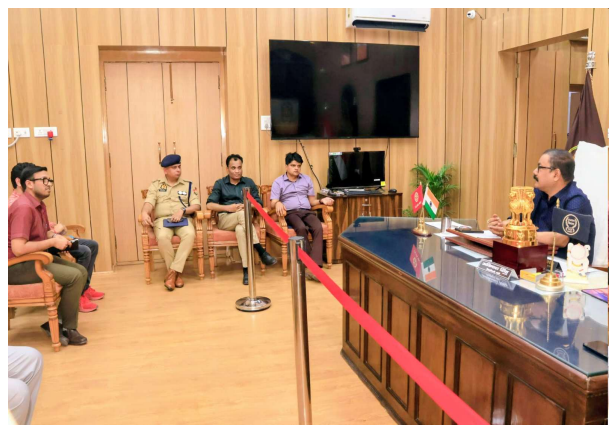

क्यूँ न लिखूँ सच / पंडित सत्यमशर्मा / बरेली । चौपला फ्लाईओवर की मरम्मत को लेकर प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने संबंधित अधिकारियों के साथ अहम बैठक कर मरम्मत कार्य की प्रगति की समीक्षा की और साफ निर्देश दिए कि काम की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

डीएम ने कहा कि फ्लाईओवर मरम्मत का कार्य तय समय सीमा के भीतर हर हाल में पूरा कराया जाए ताकि आम जनता को राहत मिल सके।बैठक में उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मजदूरों और कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाए तथा दिन और रात-दोनों शिफ्टों में काम कराया जाए, जिससे मरम्मत कार्य तेजी से पूरा हो सके।

चौपला फ्लाईओवर पर चल रहे कार्य के चलते लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बैठक में अपर जिलाधिकारी संतोष कुमार सिंह, एडीएम सिटी सौरभ दुबे, पुलिस अधीक्षक यातायात मो0 अकमल खान समेत एनएचआई के अधिकारी मौजूद रहे। फिलहाल उम्मीद की जा रही है कि प्रशासन की सख्ती के बाद चौपला फ्लाईओवर का काम जल्द पूरा होगा और लोगों को जाम व परेशानी से राहत मिलेगी।

# विकास खंड बीसलपुर में विभिन्न समूहों और कर्मियों द्वारा 'स्वगणना पोर्टल' पर दर्ज कराई गई सूचनाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / जनगणना 2027 के अन्तर्गत आज विकास खंड बीसलपुर में स्व-गणना हेतु विशेष अभियान चलाया गया। लक्षित विभागों समूहों द्वारा घर-घर जाकर स्वगणना कार्य किया गया। सभी से अपील की गई कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अन्य ग्रामीणों को भी इस डिजिटल प्रक्रिया के प्रति जागरूक करें और स्व-गणना के लिए प्रेरित करें।

15 दिवसीय स्व-गणना अभियान के दसवें दिन जनपद में स्वयं सहायता समूह, आंगनबाडी/सहायिका, महिला संस्थाएं, समस्त प्रधान, कोटेदार, पंचायत सहायक, सचिव सहकारी समितियां, ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी, खाद विक्रेता, मनरेगा कार्डधारक, रसोईयां, अनुदेशक, शिक्षा मित्र, आशाऐं, पी0एच0सी0, सी0एच0सी0, आयुष्मान विंग कर्मचारीगण द्वारा अभियान में प्रतिभाग कर स्व-गणना पोर्टल पर सूचनाऐं दर्ज कराई गई। अभियान के दौरान बताया गया है कि स्व-गणना पोर्टल पर स्वयं का विवरण दर्ज करना जनगणना की प्रक्रिया को पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए आवश्यक है। इस डिजिटल प्रक्रिया में अधिक से अधिक प्रतिभाग कर स्व-गणना पोर्टल पर सूचनाएं दर्ज कराएं।

# फरीदपुर में माध्यमिक विद्यालयों की बड़ी बैठक, शिक्षा पोर्टलों की पेंडेंसी पर सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली,फरीदपुर। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत तहसील फरीदपुर के समस्त माध्यमिक विद्यालयों की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को म्यूज़ इंटर कॉलेज फरीदपुर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला समन्वयक समग्र शिक्षा (माध्यमिक) वीरेंद्र गंगवार ने की। बैठक में ट्रैक शिक्षा पोर्टल, यू-डाइस पोर्टल पर छात्रों के प्रोग्रेशन एवं एमबीयू पेंडेंसी की समीक्षा की गई। साथ ही इको क्लब फॉर मिशन लाइफ के नोटिफिकेशन अपलोड करने, खान अकादमी पोर्टल पर विद्यार्थियों की सक्रियता बढ़ाने तथा परिवहन विभाग द्वारा विकसित पोर्टल पर विद्यालयी वाहनों की सूचना अपडेट करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा जनगणना के अंतर्गत 7 मई से 21 मई तक चलने वाली आठ चरणों की स्व-गणना प्रक्रिया की जानकारी भी विद्यालयों को विस्तार से दी गई। अधिकारियों ने मोबाइल के माध्यम से स्व-गणना करने की प्रक्रिया समझाते हुए विद्यालयों की समस्याओं का मौके पर समाधान किया। बैठक में तहसील नोडल डॉ. लोकेश चंद्र, प्रधानाचार्य राजकीय हाई स्कूल शिवपुरी, देवेंद्र पाल सिंह प्रधानाचार्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय इंटर कॉलेज वेबल बसंतपुर, योगेंद्र शर्मा प्रबंधक म्यूज़ इंटर कॉलेज तथा तकनीकी सहायक सोनू यादव सहित अनेक विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

# सुभाष नगर पुलिस ने अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ किया गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना सुभाषनगर पुलिस ने अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार थाना प्रभारी सतीश कुमार नैन के नेतृत्व में पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सूरज पुत्र महेश निवासी बेहटी देह जागीर थाना सुभाषनगर को गिरफ्तार किया। आरोपी की उम्र लगभग 19 वर्ष बताई जा रही है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक अवैध 315 बोर तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इस मामले में थाना सुभाषनगर में मु0अ0सं0 314/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन, उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल अवनीश कुमार और कांस्टेबल गौरव अत्री की अहम भूमिका रही।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर दुष्कर्म करने वाले को सुभाष नगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पंडित सत्यमशर्मा / बरेली । थाना सुभाषनगर पुलिस ने दुष्कर्म और धमकी के गंभीर मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता की तहरीर पर मु0अ0सं0 312/2026 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि आरोपी ने युवती को कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और उसके बाद दुष्कर्म कर वीडियो बना लिया। बाद में वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी गई। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी की बहन और मां ने जान से मारने की धमकी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सुभाषनगर पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थी। पुलिस टीम ने 15 मई की सुबह श्मशान भूमि फाटक के पास से आरोपी असीर पुत्र वाहिद हुसैन निवासी बिहारीपुर मैमरान ताजो की ताकिया थाना कोतवाली बरेली को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने युवती को नशीला पदार्थ खिलाकर शारीरिक संबंध बनाने की बात कबूल की। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय भेज दिया है। पूरे मामले में पुलिस आगे की जांच में जुट गई है।

### प्रधानमंत्री जी द्वारा जनता से की गई अपील के दृष्टिगत बस में सवार होकर समाधान दिवस पहुंचे अधिकार

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा ईंधन बचत को लेकर जनता से की गई अपील के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा ऊर्जा और ईंधन बचत को लेकर एक सराहनीय और अनुकरणीय निर्णय लिया गया, तहसील अमरिया में आयोजित %समाधान दिवस% में भाग लेने के लिए जनपद स्तरीय अधिकारी अपनी सरकारी गाड़ियों को छोड़कर एक ही बस में सवार होकर रवाना हुए। इस कदम का मुख्य उद्देश्य सरकारी स्तर पर ईंधन की खपत को कम करना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और आम जनता के बीच ईंधन की फिजूलखर्ची रोकने का एक सकारात्मक संदेश देना है।

### भुर्जी समाज के लिए बड़ी सौगात, सरकार दे रही फ्री मॉडर्न पॉपकॉर्न मशीन 9 ऐसे करें आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में निशुल्क आधुनिक पॉपकॉर्न मेकिंग मशीन वितरण योजना शुरू की है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि इस योजना का लाभ खासतौर पर पॉपकॉर्न बनाने वाले भुर्जी समाज के कारीगरों को दिया जाएगा। इसके साथ ही इस उद्योग में रुचि रखने वाले अन्य इच्छुक व्यक्ति भी आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को आधुनिक पॉपकॉर्न मेकिंग मशीन बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे लोग अपना रोजगार शुरू कर सकें और आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें। ऑनलाइन आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, फोटो, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज अपलोड करने होंगे। आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी ह्वश्चद्म1द्बड्ड.द्दश1.द्बठ्ठ पर जाकर "Tool Kits" विकल्प का चयन कर सकते हैं। पूर्ण रूप से भरे आवेदन पत्र को आवश्यक दस्तावेजों सहित जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, 35 यू/4ए रामपुर बाग, बरेली में 29 मई 2026 शाम 5 बजे तक जमा करना होगा। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय के दूरभाष नंबर 0581-2567395 पर संपर्क कर सकते हैं।

## एसएसबी एवं वन विभाग की संयुक्त टीम गस्त के दौरान दुर्लभ रेड सैंड बोआ सांप बरामद, वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार



क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेंद्र कुमार वरुण के दिशा-निर्देशन एवं अमित शर्मा, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा की बाह्य सीमा चौकी सुइया द्वारा वन विभाग ककरदरी रेंज के साथ संयुक्त विशेष गश्त अभियान चलाया गया। यह अभियान गुप्त सूचना के आधार पर ककरदरी वन क्षेत्र में सीमा स्तंभ संख्या 635/10 से लगभग 2.5 किलोमीटर अंदर भारत की तरफ संचालित किया गया।

संयुक्त टीम द्वारा अभियान के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया, जिसकी पहचान इरफान खान पुत्र यूनुस खान, निवासी ग्राम अमवा मौलवी, थाना नानपारा, जनपद बहराइच (उ.प्र.) के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 01 जीवित रेड सैंड बोआ बरामद किया गया, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत अनुसूची-1 की संरक्षित एवं अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है।

प्रारंभिक पूछताछ में ज्ञात हुआ कि आरोपी उक्त दुर्लभ प्रजाति के सांप की तस्करी ककरदरी वन क्षेत्र से कैसरगंज, उत्तर प्रदेश की ओर करने का प्रयास कर रहा था। बरामद रेड सैंड बोआ एवं पकड़े गए व्यक्ति को अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु वन विभाग, ककरदरी रेंज को सुपुर्द कर दिया गया है।

62वीं वाहिनी एसएसबी, भिनगा द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में वन्यजीव तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार सतर्कता एवं प्रभावी अभियान चलाए जा रहे हैं। वाहिनी के जवान सीमा सुरक्षा के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण के प्रति भी पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं।

### दहेज की बलि चढ़ी सना

## फंदे पर लटका मिला विवाहिता का शव, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । थाना बारादरी क्षेत्र के हजियापुर में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत ने इलाके में सनसनी फैला दी। 25 वर्षीय सना का शव घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ना और हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने पति समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक हजियापुर निवासी सना की शादी करीब तीन साल पहले तौकीर पुत्र कल्लू उर्फ मुन्ना के साथ हुई थी। दंपति का एक छोटा बेटा भी है। मृतका के भाई सलमान का आरोप है कि शादी के करीब एक साल बाद से ही सना को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा था। परिजनों का कहना है कि ससुराल पक्ष लगातार पैसों और सामान की मांग करता था। अब तक करीब डेढ़ लाख रुपये देने के साथ मोबाइल फोन भी खरीदकर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद आरोपी पक्ष की मांगें खत्म नहीं हुईं। आरोप है कि बाद में एसी और 50 हजार रुपये की अतिरिक्त मांग की जाने लगी।

मायके पक्ष के अनुसार आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते मांग पूरी नहीं हो सकी, जिसके बाद सना को और अधिक परेशान किया जाने लगा। परिवार ने बताया कि करीब आठ महीने पहले सना के पिता मोहम्मद सिराज का निधन हो चुका था, जिससे परिवार पहले ही मुश्किल दौर से गुजर रहा था। परिजनों ने दावा किया कि 15 मई की शाम सना ने अपनी बुआ को फोन कर जान का खतरा बताया था। देर रात पति तौकीर ने फोन कर सूचना दी कि सना ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जब परिवार मौके पर पहुंचा तब तक सना की मौत हो चुकी थी। मायके पक्ष का आरोप है कि पहले सना की गला दबाकर हत्या की गई और बाद में शव को फंदे पर लटकाकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई।

घटना की सूचना मिलते ही थाना बारादरी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने पति तौकीर, ससुर कल्लू उर्फ मुन्ना, जेठ इमरान, सास बेबी और तौकीर के मामा गुड्डू पेंटर व नवाब पेंटर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

### संविधान बचाओ संवाद में आज गूंजेगी कांग्रेस की हुंकार

## बरेली में आज जुटेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता, सांसद राकेश राठौर होंगे मुख्य अतिथि



क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । कांग्रेस पार्टी द्वारा आज रविवार 17 मई को संविधान बचाओ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सीतापुर से कांग्रेस सांसद राकेश राठौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

कार्यक्रम रॉयल फौजी गार्डन, विलय धाम, बड़ा बाईपास के निकट दोपहर 12 बजे आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। आयोजन के माध्यम से संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय एवं देश के मौजूदा राजनीतिक मुद्दों पर संवाद किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। संविधान और लोकतंत्र की रक्षा को लेकर कांग्रेस पार्टी अब जनसंवाद के जरिए जनता के बीच पहुंच रही हैज् बरेली में आयोजित संविधान बचाओ संवाद कार्यक्रम में सांसद राकेश राठौर कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

## 62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा जीवंत गांव रामपुर ककरा में पशु चिकित्सा एवं जन-जागरूकता शिविर का आयोजन




क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेंद्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशा-निर्देशन में पशु चिकित्सा शाखा द्वारा वाह्य सीमा चौकी हकीमपुरवा के अंतर्गत जीवंत गांव रामपुर काकरा में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत "Veterinary Civic Action (VCA)" कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में राजकीय पशु चिकित्सालय सोनवा के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. इमरान खान एवं 62वीं वाहिनी के मुख्य आरक्षी/पशु चिकित्सा हंसराज चौधरी द्वारा ग्रामीण पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य, देखभाल एवं विभिन्न बीमारियों से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम के दौरान कुल 45 पशुपालकों को लाभान्वित किया गया तथा 198 पशुओं का उपचार किया गया। शिविर में 02 प्रेरक वार्ताओं के माध्यम से पशुपालकों को जागरूक भी किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन से ग्रामीणों में प्रसन्नता एवं उत्साह का वातावरण देखा गया।

## बीरगंज में सफाई व्यवस्था ध्वस्त, नालियों का गंदा पानी सड़क पर



क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती, विकासखंड जमुनहा मुख्यालय से सटे कस्बा बीरगंज में नालियों की सफाई न होने से गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से होकर पटना गांव राजमार्ग को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर नालियों का सड़ांध-मारता पानी जमा है, जिससे होकर राहगीरों, मरीजों और स्कूली बच्चों को आना-जाना पड़ रहा है।

ग्राम पंचायत पटना-बीरगंज में ही ब्लॉक मुख्यालय स्थित है। स्थानीय निवासी दुर्गेश कुमार, सुरेश कुमार व अन्य का आरोप है कि सफाई कर्मचारी दिनभर ब्लॉक परिसर में ही बने रहते हैं, पर नालियों की नियमित सफाई नहीं करते। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत अधिकारी और खंड विकास अधिकारी से कई बार सफाई की मांग की, लेकिन सुनवाई न होने पर जनसुनवाई पोर्टल 1076 पर शिकायत दर्ज कराई है। निवासियों ने कहा- जब ब्लॉक मुख्यालय का कस्बा ही गंदगी से बेहाल है तो अन्य ग्रामसभाओं की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। स्वच्छ भारत मिशन के नाम पर सफाई कर्मचारी खानापूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने उच्च अधिकारियों से जांच कराकर दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है।



## श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया वट सावित्री पर्व



क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शनिवार को जिले भर में वट सावित्री का व्रत महिलाओं ने श्रद्धा के साथ रखा और पति की दीर्घायु की कामना की। शहर के अलखनाथ मंदिर, त्रिवटीनाथ मंदिर, धोपेश्वरनाथ मंदिर, तपेश्वरनाथ मंदिर समेत कई जगह मंदिरों में मौजूद बरगद के पेड़ों की पूजा-अर्चना की गई। शहर के बन्नूवाल नगर और मॉडल टाउन समेत कई कॉलोनियों में भी महिलाओं ने वट सावित्री पूजन किया। 16 शृंगार में सजी-धजी महिलाओं ने वट की परिक्रमा की और परंपराओं का निर्वाह किया।

### संक्षिप्त समाचार

## दो टेंम्पो की आमने-सामने टक्कर सात लोग हुए घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती इंडो-नेपाल हाईवे पर चेक पोस्ट से पहले दो टेम्पो की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में सात लोग घायल हो गए। इनमें महिला समेत तीन लोगों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल भिनगा रेफर किया गया है।

एक टैम्पो जमुनहा से समतलिया की ओर जबकि दूसरा समतलिया से जमुनहा की ओर सवारी लेकर आ रहा था। तभी बहराइच जनपद के नवाबगंज थाना क्षेत्र के समतलिया पुलिस चौकी क्षेत्र के इंडो-नेपाल बॉर्डर स्थित एसएसबी कैम्प से पहले दोनों वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों टेम्पो सड़क किनारे हाईवे के नीचे जा गिरे हादसे में नेपाल राष्ट्र के बांके जिला दोस्तपुरवा निवासी लालजी यादव, बांके जिला के बेतहनी निवासी संतोष तथा इकौना थाना क्षेत्र के धौरा गांव निवासी मीना घायल हो गईं। तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला

अस्पताल भिनगा रेफर किया गया। वहीं मल्हीपुर थाना क्षेत्र के निवासी विश्राम, धौरा गांव निवासी जानकी दत्त तथा नेपाल राष्ट्र के बांके जिला बेतहनी निवासी गणेश दत्त समेत अन्य घायलों का स्वास्थ्य केंद्र में उपचार चल रहा

## थाना उझानी पुलिस ने दो अभियुक्तगण को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / आज एसएसपी के आदेशानुसार जनपद में चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत



थाना उझानी पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर सहसवान चौराहा से 02 अभियुक्तगण 1.ध्रुव उर्फ चंकी पुत्र राकेश निवासी 190 भवंर सिंह कैम्प थाना बसन्त विहार नई दिल्ली 2. मुनाजिर अली उर्फ हाजिम पुत्र नवाब अली निवासी स-114/515 भवर सिंह कैम्प थाना वसंन्त विहार नई दिल्ली को मय 05 अदद कटोरे मय ढक्कन सफेद धातु व एक कटोरा बिना ढक्कन सफेद धातु सहित गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्तगण की निशादेही पर चोरी की गयी ई-रिक्शा बरामद की गयी । बरामद चोरी की सफेद धातु के सम्बन्ध में थाना उझानी पर मु0अ0सं0 180/26 धारा 303(2)/317(2) BNS पंजीकृत किया गया । चोरी की ई-रिक्शा के संबंध में थाना उझानी पर मु0अ0सं0 115/26 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत है जिसमें धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गयी है । अभियुक्तगण के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

## भटकते मासूम को मिला अपनों का सहारा , पुलिस की तत्परता व चाइल्ड हेल्पलाइन लाई मुस्कान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । थाना इज्जतनगर क्षेत्र से इंसानियत को सुकून देने वाली तस्वीर सामने आई हैज् जहां आधी रात भटकते मिले मासूम अंशु को पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन की तत्परता ने उसकी मां की गोद तक पहुंचा दिया। बच्चे के सकुशल मिलने पर परिवार की आंखें खुशी से नम हो गईं। आपको बताते चलें कि 14 मई की रात करीब 12 से 1 बजे के बीच थाना इज्जतनगर क्षेत्र में एक छोटा बच्चा अकेले भटकता हुआ मिला। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया और पूछताछ की, जिसमें बच्चे ने अपना नाम अंशु पुत्र प्रमोद कुमार बताया। सूचना मिलते ही प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा के निर्देश पर चाइल्ड हेल्पलाइन टीम सक्रिय हो गई। पूरी रात और अगले दिन लगातार प्रयास करते हुए टीम ने बच्चे के परिजनों की तलाश शुरू की। आखिरकार मेहनत रंग लाई और अंशु के परिवार का पता लगा लिया गया। बाल कल्याण समिति के आदेश के बाद मासूम अंशु को उसकी मां के सुपुर्द कर दिया गया। बेटे को सुरक्षित देखकर मां की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। इस सराहनीय कार्य में चाइल्ड हेल्पलाइन टीम की मेघना शर्मा और कमला ने अहम भूमिका निभाई। परिवार ने पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन टीम का आभार जताते हुए उनकी जमकर सराहना की।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

# बहराइच: मटेरा चौकी प्रभारी रामगोपाल तिवारी के नेतृत्व में सघन वाहन चेकिंग अभियान, वाहन स्वामियों में मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच / मटेरा (बहराइच)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त रखने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए मटेरा थाना क्षेत्र के मटेरा चौराहा पुलिस चौकी प्रभारी रामगोपाल तिवारी ने पुलिस बल के साथ शुक्रवार को सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस अचानक हुई चेकिंग से नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। दस्तावेजों और हेलमेट की हुई कड़ाई से जांच- चौकी प्रभारी रामगोपाल तिवारी ने मटेरा चौराहे पर बैरियर लगाकर आने-जाने वाले दुपहिया और चार पहिया वाहनों को रोककर उनकी बारीकी से तलाशी ली। इस दौरान विशेष रूप से बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों, तीन सवारी बैठाने वालों, बिना वैध दस्तावेजों (आरसी, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस) के वाहन दौड़ाने वालों, और संदिग्ध नंबर प्लेट वाले वाहनों की सघन जांच की गई।

नियम तोड़ने वालों पर कसा शिकंजा- चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दर्जनों वाहनों का ऑनलाइन चालान काटा गया। इसके साथ ही कई वाहन स्वामियों को कड़ी चेतावनी देकर छोड़ा गया। चौकी प्रभारी रामगोपाल तिवारी ने कहा- सड़क सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बिना हेलमेट और बिना कागजात के वाहन चलाना न सिर्फ कानूनन अपराध है, बल्कि यह जानलेवा भी हो सकता है। क्षेत्र में अपराधियों और संदिग्धों पर नजर रखने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इस दौरान मटेरा पुलिस टीम के कई हमराही सिपाही और सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे। पुलिस की इस मुस्तैदी को देखकर स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की सराहना की है।

# किसान के साथ चोला मंडलम फाइनेंस ने किया बड़ा खेल

क्यूँ न लिखूँ सच / सिंगरौली/ चितरंगी बताते चले कि किसान मुकेश जायसवाल निवासी ग्राम खम्हारडीह के साथ चोला मंडलम फाइनेंस- चितरंगी ने बड़ा खेला किया है 7.80% ब्याज बताकर 8.55% वसूला, 5 लाख के लोन को बनाया 5.14 लाख ! लालगंज UP एजेंसी से ट्रैक्टर खरीदने वाले किसान के साथ कथित तौर पर बड़ा फाइनेंस घोटाला सामने आया है। किसान का आरोप है कि ट्रैक्टर फाइनेंस करते समय 7.80% इंटरेस्ट रेट बताकर लोन कराया गया, लेकिन बाद में दस्तावेजों में 8.55% ब्याज दर लगा दी गई। किसान के अनुसार ट्रैक्टर के लिए 5,00,000 का लोन कराया गया था, लेकिन फाइनेंस कंपनी ने दस्तावेजों में प्रिंसिपल अमाउंट ?5,14,490 दिखा दिया। अब सवाल उठ रहा है कि आखिर यह अतिरिक्त 14,490 किस आधार पर जोड़ा गया? दस्तावेजों के अनुसार:कुल लोन राशि दिखाई गई - 5,14,490 EMI - लगभग 18,466

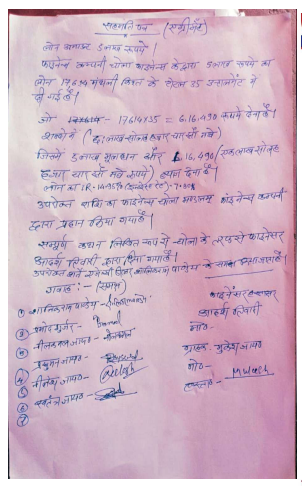

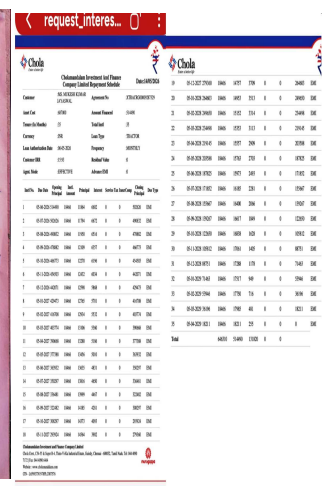

प्रतिमाह कुल किश्तें - 35 कुल भुगतान - लगभग 6,46,310 कुल ब्याज - लगभग 1,31,820 दिखाया गया है किसान का आरोप है कि पहले कुल ब्याज लगभग 1.16 लाख बताया गया था, लेकिन फाइनेंस कंपनी और एजेंसी ने मिलकर ब्याज और मूलधन में करीब ?30,000 हजार रूपए ज्यादा का आर्थिक बोझ डाल दिया। मामला चोला मंडलम फाइनेंस, चितरंगी शाखा से जुड़ा बताया जा रहा है। किसान पक्ष का कहना है कि बिना स्पष्ट जानकारी दिए ब्याज दर बढ़ाकर और अतिरिक्त राशि जोड़कर धोखे से दस्तावेज तैयार किए गए। अब बड़ा सवाल यह है कि 7.80त्न बताकर 8.55त्न क्यों लगाया गया? ?5 लाख के लोन में ?5,14,490 का लोन क्यों बनाया गया? क्या प्रोसेसिंग फीस, इंश्योरेंस या अन्य चार्ज छिपाकर जोड़े गए? क्या किसान को पूरी जानकारी दी गई थी? किसान ने मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। यदि आरोप सही हैं तो यह किसानों के साथ फाइनेंस के नाम पर गंभीर आर्थिक शोषण माना जाएगा। अगर कोई कार्यवाही नहीं हुई तो किसान उपभोक्ता फोरम में जाने के लिए मजबूर हो जाएगा द्य

# श्याम स्टोन क्रेशर पर उठे सवाल: नियमों की अनदेखी या विभागीय संरक्षण?

**खनिज और पर्यावरण विभाग की खामोशी ने बढ़ाए मिलीभगत के संकेत, ग्रामीणों में आक्रोश**

क्यूँ न लिखूँ सच / सिंगरौली / मानस मिश्रा /सिंगरौली। जिले में संचालित स्टोन क्रेशरों और पत्थर खदानों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अब श्याम स्टोन क्रेशर का मामला भी चर्चा में आ गया है। क्षेत्रीय लोगों एवं ग्रामीणों का आरोप है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं खनिज विभाग द्वारा तय शर्तों के विपरीत संचालन के बावजूद संबंधित विभागों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही, जिससे विभागीय संरक्षण और मिलीभगत के गंभीर संकेत सामने आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार क्रेशर संचालन के लिए जारी अनुमति आदेशों में धूल नियंत्रण, नियमित पानी छिड़काव, हरित पट्टी विकास, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण संचालन तथा पर्यावरणीय मानकों का पालन अनिवार्य किया गया है। इसके बावजूद क्षेत्र में उड़ती धूल, भारी वाहनों की आवाजाही और प्रदूषण को लेकर लगातार शिकायतें उठती रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि मौके पर निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई गंभीर अनियमितताएँ सामने आ सकती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्रेशर संचालन से खेतों, पेड़ों और आबादी वाले क्षेत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, लेकिन शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई से बचते दिखाई देते हैं। निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं? सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और खनिज विभाग नियमित निरीक्षण करते हैं, तो अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या निरीक्षण केवल कागज़ों तक सीमित हैं? जानकारों का कहना है कि कई मामलों में विभागीय अधिकारी केवल औपचारिक निरीक्षण कर फाइलों में अनुपालन दर्ज कर देते हैं, जबकि वास्तविक स्थिति अलग होती है। यही कारण है कि अब स्थानीय स्तर पर विभागीय भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। मिलीभगत की चर्चा क्यों तेज हुई? क्षेत्र में यह चर्चा तेज है कि बिना विभागीय संरक्षण के कोई भी क्रेशर इकाई लंबे समय तक नियमों के विपरीत संचालन नहीं कर सकती। यदि धूल नियंत्रण नहीं है तो कार्रवाई क्यों नहीं? यदि पर्यावरणीय शर्तों का उल्लंघन हो रहा है तो नोटिस और सीलिंग क्यों नहीं? यदि भारी वाहन नियम तोड़ रहे हैं तो खनिज विभाग मौन क्यों है? इन्हीं सवालों ने अब खनिज विभाग और पर्यावरण विभाग की भूमिका को संदेह के घेरे में ला दिया है। संयुक्त जांच की मांग- ग्रामीणों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि श्याम स्टोन क्रेशर सहित क्षेत्र की सभी क्रेशर इकाइयों की संयुक्त जांच हो, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, खनिज विभाग और राजस्व विभाग की टीम मौके पर निरीक्षण करे, ड्रोन सर्वे एवं वास्तविक उत्पादन की जांच कराई जाए,निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, नियम उल्लंघन पाए जाने पर एफआईआर और संचालन निरस्तीकरण की कार्रवाई हो। अब देखने वाली बात होगी कि जिला प्रशासन इन आरोपों को गंभीरता से लेकर निष्पक्ष जांच कराता है या फिर मामला अन्य शिकायतों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा।

# कलेक्टर अर्पित वर्मा का पिछोर दौरा, सनघटा डैम का किया औचक निरीक्षण

**निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर जोर, अधिकारियों को सौंपी मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी**

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने शनिवार को पिछोर क्षेत्र का दौरा कर निर्माणाधीन सनघटा डैम, पंप स्टेशन और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा लगातार मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सनघटा डैम निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की जांच की। मौके पर अनुपयोगी और खराब गुणवत्ता की गिट्टी पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए उसे हटाने के निर्देश दिए। साथ ही माइनिंग विभाग को 'बालाजी क्रेशर' हटाने के लिए सख्त कार्रवाई करने को कहा। परियोजना से जुड़े अधिकारियों और इंजीनियरों को समय-समय पर सर्वे और गुणवत्ता परीक्षण करने के निर्देश

भी दिए गए। कलेक्टर ने निर्माणाधीन पंप स्टेशन का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने और तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डिस्ट्रीब्यूशन लाइन बिछाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में खोदी जा रही सड़कों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। दौरे के दौरान कलेक्टर अर्पित वर्मा गांव-गांव पहुंचे और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। डूब क्षेत्र में आने वाले किसानों और ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों को पारदर्शी और उचित मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डैम निर्माण से क्षेत्र में सिंचाई सुविधा बढ़ेगी और पानी की समस्या का स्थायी समाधान होगा। कलेक्टर ने ग्राम पड़ोरा की आदिवासी बस्ती में पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तय समय सीमा में समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए।

# सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं, मौके पर मिला त्वरित समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ खतौनी में नाम त्रुटि का तत्काल सुधार, फरियादियों को मिली बड़ी राहत तहसील उरई सभागार में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित राहत मिल सके। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 41 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को तत्काल राहत प्रदान की गई। शेष शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।जनसुनवाई के दौरान ग्राम रंगोली निवासी कमलेश एवं मुलुपुरा निवासी श्रीराम ने खतौनी में नाम त्रुटिपूर्ण दर्ज होने की शिकायत प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल नाम संशोधन की कार्रवाई कराई और स्वयं अपने हाथों से संशोधित खतौनी दोनों फरियादियों को सौंपी। त्वरित कार्रवाई से फरियादियों ने प्रशासन के प्रति संतोष व्यक्त किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। इसके बाद उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, उप जिलाधिकारी ज्योति सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीरेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुने अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी जिलाधिकारी गामिनी सिंगला ने शनिवार को तहसील बदायूं में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनने व उनका गुणवत्तापरक निस्तारण करने के लिए कहा। इस अवसर पर 42 शिकायती व प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 13 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया तथा शेष के गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए गए।

प्रभारी जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है, इसलिए अधिकारी इसे गंभीरता पूर्वक लें। शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है, इसका भी ध्यान रखा जाए।

संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर ग्राम सभा की भूमि से कब्जा हटवाने, सार्वजनिक मार्ग से कब्जा हटवाने, पैमाइश/ठीकाबंदी के बाद कब्जा दिलवाने, राशन कार्ड से मृत व्यक्ति का नाम हटवाने, स्मार्ट मीटर की जगह पुराना मीटर लगवाने सहित विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 42 शिकायती व प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 13 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया तथा शेष के गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### उधारी के रुपये मांगने पर युवक पर चलाई गोली, आरोपी अवैध बंदूक सहित गिरफ्तार गुणवत्ता पर जोर, अधिकारियों को सौंपी मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। खनियाधाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए फरियादी पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने वाले आरोपी सुरेश उर्फ कल्ला ओझा को अवैध बंदूक सहित गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे उपजेल पिछोर भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर गंभीर अपराधों में त्वरित कार्रवाई के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी की। जानकारी के अनुसार 13 मई 2026 को फरियादी अच्छेलाल आदिवासी निवासी मजरा बंजारी ग्राम अमुहाय अपने उधार के रुपये मांगने आरोपी सुरेश उर्फ कल्ला ओझा के घर पहुंचा था। इसी दौरान आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जातिसूचक शब्द कहे और घर से एकनाली भरमार बंदूक लाकर फरियादी पर फायर कर दिया। गोली के छर्रे फरियादी के बाएं हाथ और काख में लगे, जिससे वह घायल हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 169/2026 के तहत हत्या के प्रयास एवं एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान 15 मई को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम सीतापाठा मंदिर की पहाड़ी पहुंची, जहां आरोपी पुलिस को देखकर भागने लगा। घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से अवैध एकनाली भरमार बंदूक बरामद की गई। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा भी बढ़ाई गई। पूरे मामले में थाना प्रभारी निरीक्षक केदार सिंह यादव सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

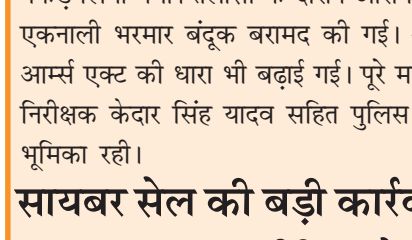


### सायबर सेल की बड़ी कार्रवाई, फ्रॉड के 2.80 लाख रुपए पीड़ित को वापस दिलाए

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। सायबर सेल शिवपुरी ने तत्परता दिखाते हुए ऑनलाइन फ्रॉड के मामले में पीड़ित के गई 2 लाख राशि वापस हासिल की त्वरित कार्रवाई महसूस करते अधीक्षक एवं सायबर टीम का आभार व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार बहिद खान पुत्र नूरू खान निवासी इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी शिवपुरी ने 9 जनवरी 2026 को भारत सरकार के एनसीआरपी पोर्टल पर 2.80 लाख रुपए की साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले के मार्गदर्शन में सायबर सेल प्रभारी उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह जाट और उनकी टीम ने तत्काल जांच शुरू की। जांच में पता चला कि फरियादी के केनरा बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र खातों से निकाली गई राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खातों में ट्रांसफर की गई थी। इसके बाद सायबर सेल ने संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर राशि को होल्ड कराया और वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर पीड़ित के खाते में पूरी रकम वापस कराई। सायबर सेल की इस कार्रवाई की लोगों ने सराहना की है। मामले में सायबर सेल प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह जाट, प्रधान आरक्षक विकास सिंह चौहान, आरक्षक जलज रावत, दामोदर परिहार, आलोक व्यास और भूपेन्द्र यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सायबर सेल की अपील- पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि AEPS फ्रॉड से बचने के लिए MY AADHAR APP के जरिए बायोमेट्रिक लॉक जरूर करें। फर्जी लोन ऐप डाउनलोड न करें, APK फाइल न खोलें और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें। साथ ही किसी को भी OTP, बैंक डिटेल या निजी जानकारी साझा न करें। सायबर अपराध होने पर तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 या शिवपुरी सायबर हेल्पलाइन 7049123706 एवं 7049123288 पर सूचना देने की अपील की गई है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

# Sweating for hours and starving yourself isn't the right way to lose weight. Avoid these 4 mistakes to lose weight.

Some mistakes should be avoided when losing weight, as they can be detrimental to your health instead of beneficial. Weight gain is one of the most worrying problems of today. It also leads to a variety of diseases. People of all ages, from children to young people to the elderly, are becoming obese. Health experts say that poor lifestyles, sedentary lifestyles, junk food addiction, and a lack of physical activity have put people in great trouble. In such a situation, some people almost stop eating to lose weight, while others exercise for hours, but does this actually yield any benefits? According to experts, healthy weight loss doesn't just mean eating less, but also adopting a balanced diet, regular exercise, good sleep, and long-term habits. What mistakes should you avoid when losing weight? Studies show that suddenly reducing food intake can slow down metabolism, leading to further weight gain. Excessive exercise can lead to fatigue and injury. It's not advisable to suddenly stop eating - People often think that skipping meals will lead to rapid weight loss, but this method can actually be detrimental. Crash dieting involves consuming significantly fewer calories than necessary, leading to a lack of energy. According to experts, when you reduce your food intake, the body goes into starvation mode and your metabolism slows down. People who suddenly reduce their food intake may experience problems like weakness, dizziness, and hair loss. Excessive exercise is also dangerous - Health experts say that while exercise is essential for weight loss, diet and lifestyle are also important. Excessive exercise can also be harmful. Excessive exercise can cause muscle injury, fatigue, and an increase in the hormone cortisol. This can increase stress and fat storage. Exercising without rest prevents muscle recovery. Reducing calories alone won't work - People often neglect nutrition during weight loss. Protein deficiency is a major problem. Protein helps maintain the body's muscles. When people don't consume enough protein, their muscles begin to weaken along with weight loss. To lose weight, include pulses, cheese, eggs, yogurt, and green vegetables in your diet. Getting good sleep and controlling stress are also essential for weight loss. When the body doesn't get enough sleep, the hormones that control hunger are affected. This can lead to increased hunger and increased calorie intake.

# "Kesariya Balam Aao Ni..." isn't a welcome song; its true story is about longing and waiting.

The Rajasthani folk song "Kesariya Balam Aao Ni" is essentially a song of separation, depicting the immortal love story of Dhola and Maru. Let's explore the history of this song. "Kesariya Balam" was originally a song of separation between Dhola and Maru. After marrying in childhood, Dhola had forgotten Maru; Maru sent a message through music through folk singers. "Kesariya Balam Aao Ni, Padharo Mhare Desh..." The first image that comes to mind when we hear this line from the song is Rajasthan. This folk song has become so deeply associated with the state that it has become its hallmark. Today, this folk song has become a symbol of Rajasthani hospitality and royal welcome across the world, but few people know that this melodious song was actually sung not to welcome guests, but to win love. Yes, this song was a musical call from a wife grappling with longing for her husband. Let us tell you the interesting and emotional history of this song: Childhood Relationship and Distance. It dates back to the eighth century, when Prince Dhola of Narwar and Princess Maru (Marwani) of Poongal were married in their childhood. Dhola was only three years old at the time, and Maru was just one and a half. After this childhood marriage, Maru remained in her maternal home in Poongal. As time passed, Dhola completely forgot this relationship, and when he grew up, he remarried. Maru burning in the fire of longing - While Dhola had completely forgotten their childhood relationship, the mature Maru, on the other hand, yearned day and night for her husband. When Dhola didn't return to retrieve Maru even after a long wait, his father sent several messengers to remind him. However, when Dhola's second wife learned of this, she, out of jealousy, intercepted all the messages before they reached Dhola. A Call to the Heart Through Music - When her messages failed to reach Dhola despite numerous attempts, Maru sent skilled Rajasthani folk singers to Narwar with poignant couplets of her separation. She instructed them to go outside Dhola's palace and sing a raga that would directly touch his heart. The singers then reached Narwar and called out loudly, "Kesariya balam aao ni, padharo mhare desh." In Rajasthani culture, the color saffron is considered a symbol of love, sacrifice, and valor. Therefore, Maru, calling her brave husband "Kesariya balam," pleaded for him to return to her homeland. Traditional folk songs still directly reference Dhola and Maru's names. Meeting through tunes - Hearing Maru's sad tunes, Dhola immediately remembered his old memories and also remembered his first wife Maru and his childhood marriage. After this, Dhola immediately rode his fastest camel to Poongal and accepted Maru, who had been waiting for years. From love message to welcome song - This song, which bore witness to the love of Dhola and Maru, echoed in the desert like a song of separation for centuries. Later, the famous Mand singer Allah Jilai Bai wove it into classical tunes and it became a personal love message, the soul of entire Rajasthan and a welcome song across the world.

# Does red chili really help ward off the evil eye? What is the real reason behind this age-old belief?

For centuries, red chili has been used in India to ward off the evil eye. It is believed that red chili absorbs negative energy. Often, when a cheerful child suddenly starts crying, work starts getting spoiled, or unexplained troubles arise in the house, our elders immediately say that someone has cast an evil eye. There are many traditional remedies available in society to ward off the evil eye, among which the use of red chili is considered the most effective. Have you ever wondered why dried red chili is used to ward off the effects of the evil eye? Let's understand the reasons behind this age-old belief. Traditional beliefs: Red chili is believed to have both Tamas and Rajas qualities. According to beliefs, the pungent smell and color of chili peppers have the ability to absorb negative energy. It is believed that when we rotate a red chili around someone's head, it attracts the negativity surrounding the person. In the process of removing the evil eye, the red chili is burned in a fire at the end. Fire is considered a symbol of purification. Therefore, the tradition of burning chilies to completely destroy negativity has been going on for centuries. The smell reveals whether the evil eye has been removed or not. The most interesting aspect of this process of removing the evil eye is the smell. Normally, if even a single dry red chili is burned in the kitchen, a pungent smell spreads throughout the house and everyone starts coughing. However, according to popular belief, if a person is truly affected by the evil eye, the burning chili does not cause any pungent smell or cough when it is removed. People consider this to be proof that the chili has absorbed all the evil eye. As soon as the effect of the evil eye wears off, the chili's natural pungent smell returns. There are also psychological implications. When the evil eye is removed from a troubled person, they feel a sense of peace of mind that they are now safe. This belief helps reduce stress and make one feel better. The use of red chilies to ward off the evil eye is a blend of tradition and folklore. Many people consider it mere superstition, but even today, red chilies are used in many Indian homes to ward off the evil eye.

# Mouni Roy ends her four-year marriage with Sooraj Nambiar; the actress reveals the truth, saying, "This is the end of our relationship..."

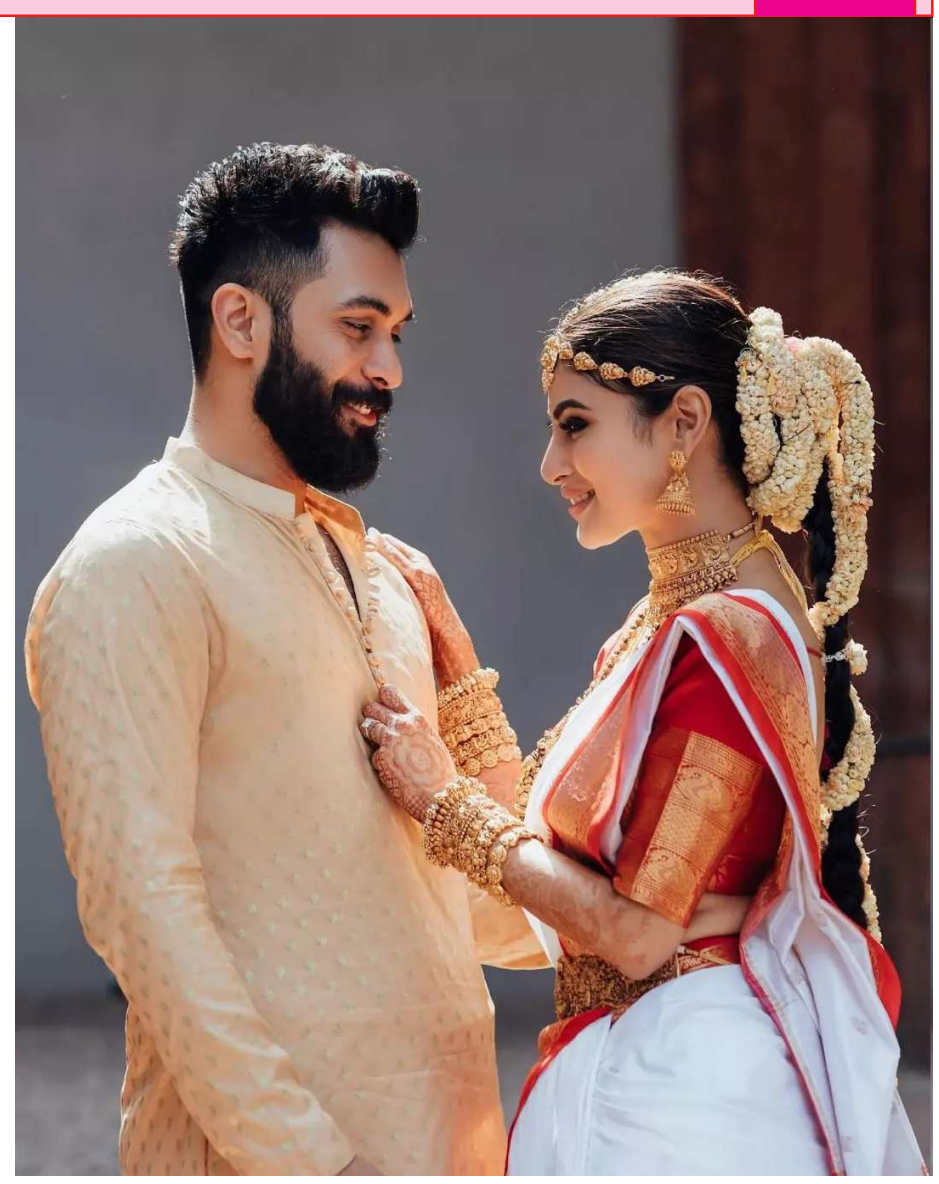

**Mouni Roy has now released an official statement, sharing information about her separation from husband Sooraj Nambiar. Dispelling rumors, she revealed the real reason for the breakup. Mouni Roy, who married Dubai-based businessman Sooraj Nambiar in 2022, has officially announced her separation with fans. She shared a post on social media, explaining the reason for ending her marriage with Sooraj Nambiar. Mouni Roy is deeply saddened by this: Two days ago, Mouni Roy and her husband Sooraj Nambiar unfollowed each other on Instagram, sparking rumors that all is not well in the couple's marriage. Now Mouni Roy has herself confirmed the news of the breakdown of her four-year marriage by issuing a statement on her official Instagram account and has also removed the comment box. Mouni Roy wrote, "We are deeply saddened by the unnecessary intrusion of certain media outlets into our lives. We would like to inform you that we have mutually decided to separate and are taking the necessary time to resolve this matter privately." This is why Mouni and Sooraj decided to separate. Mouni Roy further wrote in her statement, "Many people have attempted to sensationalize our personal lives and are spreading false rumors and fabricated stories that do not reflect the true nature of our relationship. Given our personal priorities, we have mutually decided to move forward on separate paths in our lives, with complete understanding and respect. At this point, we are solely focused on how to handle this matter with privacy. We will strive to maintain our friendship in the future." The actress further wrote in her statement, "We appreciate your understanding and thank you all for your privacy and support." Thank you." It was recently claimed that Mouni Roy and Sooraj Nambiar separated six months ago. However, the couple is still not divorced. Several reasons for their separation surfaced on social media.**

# "He doesn't think there's any actor greater than Govinda..." Ayushmann Khurrana candidly expressed his opinion on awards.

**"Pati Patni Aur Woh Do" actor Ayushmann Khurrana openly expressed his opinion on the awards given to stars and openly came out in support of Govinda. Ayushmann Khurrana, known for his offbeat films and unique characters, and Rakul Preet Singh, who balances commercial and meaningful cinema, will be seen together in the film "Pati Patni Aur Woh Do," releasing in theaters today. Both believe that comedy is the most difficult genre of acting. We spoke with them about this film, risky choices, and the lack of respect for comedy, among other issues. How did the release day go for you both? - Ayushmann - Sometimes it feels like the tenth grade results are coming. However, over the past few years, I've learned to detach myself from these things. I love the process and journey of filmmaking. Whatever happens, happens. There's always a hope that the audience will like the film. Now I don't feel as scared as I used to. Rakul: I get very nervous. I'm constantly watching what's happening and how people are reacting. Drama actors get more respect and awards than comedy actors. Is there a need to change this mindset? Ayushmann: Absolutely. I believe comedy is the most difficult. An actor who can't do comedy isn't an actor at all. You can enhance an emotional scene with background music or screenplay, but you can't take a comic scene to that level without timing. The one who does comedy well is the best actor. I don't think there's any actor greater than Govinda. He should be given all the awards. Rakul: It's very sad that when you're crying or doing a serious scene, he gets all the awards, but that's the easiest thing to do. Making people laugh is very difficult. Does it become easier to take risks in films dealing with issues or taboo subjects after becoming an established actor?Ayushmann: I've taken risks from the beginning, because before I arrived, around 2007, all the actors were over 30. They were all millennials (born between 1981 and 1996), there were no millennial stars. Back then, I thought I would come to Mumbai and make a splash. Suddenly, Ranbir Kapoor enters, then Ranveer Singh arrives. I thought, what's wrong? Now I have to do different films. I can't do conventional work; they're doing all this. That's why I did Vicky Donor. Before that, I had said no to five films, which was the biggest risk at the beginning of my career. I think that unless you take risks, you won't be able to do something different. Rakul: It's not easy, but it's necessary. Every film is a risk. There are many factors that go into determining when a film will be released, the current climate, and whether or not it will be a success. Signing a film is always a risk, its box office success. It's not in your control. But yes, you should raise issues through your films. To achieve this, you need to do commercial films so that you become so prominent that when you make films on important issues, people will watch them. Ayushmann, you've been tagged as an unconventional hero. Do you feel like shedding it, or is it no longer necessary? Ayushmann Khurrana: I don't take myself too seriously; I take on whatever story appeals to me. I strive to create unique stories, to be a part of something that no one has done before. Speaking of the film "Pati Patni Aur Woh Do," my character, Prajapati Pandey, is a devoted husband who finds himself caught in a difficult situation. Comedy emerges from it. Before I started the film, I listened to the story from the director (Mudassar Aziz) three times, and each time I laughed just as much. Recently, your husband Jackky Bhagnani described your married life as a situationship (a romantic relationship lacking commitment or future plans). It was meant to be something else, but you both were trolled. Have you distanced yourself from these words of Jen Ji? Some members of the media twisted this term. I was sitting with Jackky when this conversation occurred. The context in which the question was asked was what it feels like to be married in these times of situationism. Jackky responded, but the first three lines were omitted, simply stating that my marriage is a situationship. Well, after that, I decided not to try to be Jen Ji. In this film, there is a boy whose name is being linked to three girls. If this were reversed, could such films be made?Ayushmann - Yes, I believe that films like "Wife, Husband, and Those Two" should be made. In this film, all three girls are stronger than me. My character is trapped. I've always made progressive films. This film is also progressive. Yes, it's true that people have seen the era of one boy and two or three girls. But this has been an important part of our country's films. Classic romance, classic love stories, classic comedy—these cannot become outdated. Rakul had her best role in De De Pyaar De 2.**

# A 3-year-old film has become a must-watch on Netflix, earning twice as much as Dhurandhar 2.

**A 3-year-old film was recently released on the popular OTT platform Netflix, becoming a must-watch immediately. This blockbuster, released on Netflix three years ago, was a hit in theaters. This movie became a must-watch upon its OTT release. Three years ago, a film that was a favorite among audiences was released in theaters. Recently, this movie was streamed online on the OTT platform Netflix, and it has already started showing its magic. The situation is such that this film has become a must-watch on Netflix and is thoroughly entertaining audiences. It's worth noting that this 3-year-old movie performed brilliantly at the box office, grossing twice as much as Dhurandhar 2. Ranveer Singh's Dhurandhar The Revenge grossed ?1,900 crore worldwide, while the film in question grossed ?4,000 crore globally, significantly more than Dhurandhar 2. Now, upon its OTT release, the film has taken over Netflix. The film, starring Hollywood superstar Jason Momoa, is being discussed here. Produced under the Disney banner, Aquaman and the Lost Kingdom was released in theaters on December 22, 2023, and at that time, it was a huge success both in theaters and at the box office. Starring Jason Momoa, Patrick Wilson, and Amber Heard, Aquaman and the Lost Kingdom is currently streaming on Netflix and has already made a splash since its arrival on OTT platforms. Currently, Aquaman and the Lost Kingdom is trending at number 3 on the Netflix OTT platform and has become a must-watch. Judging by its increasing watch time, it's safe to say that Aquaman and the Lost Kingdom could soon become the number one film on Netflix. It also made a strong collection in India. It's often observed that very few Hollywood films manage to make a mark at the Indian box office. However, this isn't the case with the Aquaman franchise, a superhero film series. Indian audiences are also eager for the film. This is why Aquaman and the Lost Kingdom grossed over ?300 million in India in 2023.**